শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 354 | गुवाहाटी | बुधवार, 24 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम में अपराध दर में भारी गिरावट मामलों के निपटान में सुधार पेज 2
नारी शक्ति कल्याणकारी कदमों को आगे ले जाने में अग्रणी : मुख्यमंत्री पेज 3
दत्तोपंत ठेंगड़ी के सिद्धांतों को अपनाकर ही पूरा किया जा सकेगा विकसित... पेज 5
तैराक धिनिधि पेरिस में हिस्सा लेने वाली सबसे युवा भारतीय पेज 7

मजबूत हुआ खजाना, काबू में आया घाटा

बजट में 7.75 लाख तक की आय कर मुक्त
बिहार और आंध्र का हुआ बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को केंद्रीय बजट 2024-25 लोकसभा में पेश किया। सीतारमण ने लगातार 7वीं बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड भी बनाया। वित्त मंत्री ने एक घंटा 23 मिनट के बजट भाषण में वेतनभोगी वर्ग को थोड़ा राहत देने का एलान किया। नई कर व्यवस्था चुनने वाले करदाताओं के लिए अब 7.75 लाख रुपए तक की इनकम कर मुक्त हो गई है।

वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट में बिहार के लिए 60 हजार करोड़ रुपए से अधिक का प्रस्ताव रखा है। वहीं, आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ रुपए की मदद का एलान किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 लोकसभा में पेश करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की वृद्धि एक चमकता सितारा बना हुआ है, जो आने वाले वर्षों में ऐसा ही बना रहेगा। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में उधार के अलावा कुल प्राप्तियां 32.07 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि कुल व्यय 48.21 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है। सीतारमण ने बजट में शुद्ध कर प्राप्तियां 25.83 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान जताया है। वहीं, राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.9 फीसदी रहने का अनुमान व्यक्त किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के लिए बुनियादी ढांचे के विकास के लिए स्पेशल योजना लाने का वादा भी किया। बजट में उन्होंने नई कर व्यवस्था चुनने वाले वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती को 50 हजार रुपए से बढ़ाकर 75,000 रुपए करने का एलान किया है। टैक्स स्लैब में इस बदलाव से करदाताओं को 17.5 हजार रुपए का फायदा होगा। बजट में पारिवारिक पेंशन पर छूट की सीमा 15 हजार रुपए से बढ़ाकर 25 हजार रुपए करने का भी एलान किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि इन दोनों बदलावों से 4 करोड़ नौकरीपेशा और पेंशनर्स को फायदा मिलेगा। उन्होंने *आयकर अधिनियम 1961* की व्यापक समीक्षा करने का एलान किया, जिससे टैक्स संबंधी विवाद और मुकदमेबाजी कम होगी। इसको 6 महीने में पूरा करने का प्रस्ताव है। बजट में निवेशकों के सभी वर्गों पर लगने वाले एंजल टैक्स को समाप्त करने का प्रस्ताव दिया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

नई ताकत देने वाला बजट, स्कील को मिलेगी नई स्केल : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट पेश किया। बजट में किए गए प्रावधानों पर प्रधानमंत्री मोदी ने खुशी जताई और देश को बजट के बारे में बताया। पीएम मोदी ने बजट को लेकर कहा कि पिछले 10

सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। यह बजट नए मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण के लिए है। इस बजट से युवाओं को असीमित अवसर मिलेंगे। इस बजट से शिक्षा और कौशल को नया आयाम मिलेगा। यह बजट नए मध्यम वर्ग को ताकत देगा...यह बजट महिलाओं, छोटे कारोबारियों, एमएसएमई की मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों को मजबूत करने के उद्देश्य से मजबूत योजनाओं के साथ आया है। यह बजट वित्तीय भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने केंद्र की *रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना* पर भी बात की। उन्होंने आगे कहा कि इससे रोजगार के कई अवसर -शेष पृष्ठ दो पर

ये कुर्सी बचाओ बजट : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्रीय बजट को *कुर्सी बचाओ बजट* की कहा और दावा किया कि यह अन्य राज्यों की कीमत पर भाजपा सहयोगियों से खोखले वादे करता है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने यह भी दावा किया कि बजट 2024 के चुनावों के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र और पिछले बजटों की कॉपी और पेस्ट वाला काम है। सोशल मीडिया एक्स पर राहुल गांधी ने एक पोस्ट में केंद्र सरकार के बजट को ऐसे उल्लेखित किया है। कुर्सी बचाओ बजट, सहयोगियों को खुश करना: अन्य राज्यों की कीमत पर उनसे खोखले वादे, साथियों को खुश करना: आम भारतीयों को कोई राहत नहीं, लेकिन एए (अडानी-अंबानी) को लाभ, कॉपी और पेस्ट: कांग्रेस का घोषणापत्र और पिछले बजट। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी केंद्रीय बजट पर निशाना साधा और कहा कि इस बजट में देश के विकास के लिए कुछ भी नहीं है। ये एक मोदी सरकार को बचाने वाला बजट है। कांग्रेस अध्यक्ष केंद्रीय बजट को नकल भी करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखे एक पोस्ट में कहा, मोदी सरकार का *नकलची बजट* कांग्रेस के न्याय पत्र की भी ठीक से नकल नहीं कर सका! मोदी सरकार का बजट अपने -शेष पृष्ठ दो पर

बजट पूरी तरह से निराशाजनक : चिदंबरम

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज मोदी 3.0 का पहला बजट पेश किया। बजट में कई बड़े एलान किए गए हैं, बजट पेश होने के बाद विपक्षी नेताओं ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने मंगलवार को केंद्रीय बजट को लेकर सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस का 2024 का घोषणापत्र पढ़ा है। एक्स -शेष पृष्ठ दो पर

दोबारा नहीं होगी नीट परीक्षा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। नीट यूजी मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए आईआईटी दिल्ली की रिपोर्ट पर भी संज्ञान लिया। चीफ जस्टिस ने कहा कि हमारे समक्ष प्रस्तुत सामग्री और आंकड़ों के आधार पर प्रश्नपत्र के व्यवस्थित लीक होने का कोई संकेत नहीं है, जिससे परीक्षा की शुचिता में व्यवधान उत्पन्न होने का संकेत मिले। इसपर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि जो तथ्य उसके सामने उपलब्ध है,उसके मद्देनजर दोबारा परीक्षा कराना न्यायोचित नहीं होगा। एससी ने नीट की दोबारा परीक्षा कराने से इंकार किया। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के सीनियर वकील संजय हेगड़े ने अपनी दलील में कहा है कि ये साफ है कि 4 मई को स्टूडेंट्स को पेपर मिल

चुका था। उन्होंने पेपर के सही जवाब याद किए और फिर भी फेल हो गए। पेपर लीक के लिए लंबी टाइमलाइन जरूरी है, कम समय में ये हो ही नहीं सकता। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने एनईईटी यूजी से संबंधित मामलों की सुनवाई के दौरान, प्रश्न पत्र के भौतिकी भाग में विवादास्पद प्रश्न के सही उत्तर के रूप में विकल्प 4 को चिह्नित करने वालों को पूरे अंक देने और विकल्प 2 को सही उत्तर के रूप में चिह्नित करने वालों के कोई अंक नहीं काटने का प्रस्ताव रखा। इससे पहले भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने सोमवार को आईआईटी-दिल्ली के निदेशक को भौतिकी के इस विवादित प्रश्न को लेकर तीन विषय विशेषज्ञों की एक टीम गठित करने तथा मंगलवार दोपहर तक सही जवाब पर रिपोर्ट दाखिल करने को -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की विकास गति को बढ़ाने वाला बजट : सीएम हिमंत

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि केंद्रीय बजट देश को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने देश के विकास की निरंतरता को बनाए रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने के अनुरूप भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए ठोस रूपरेखा तैयार करने के लिए केंद्रीय वित्तमंत्री मंत्री निर्मला सीतारमण एवं उनकी टीम का हार्दिक आभार जताया है। मुख्यमंत्री आज केंद्रीय आम बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट रोजगार सृजन और छोटे -शेष पृष्ठ दो पर

उद्योगपति को धनी बनाने वाला बजट : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हि.स.)। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के उप नेता गौरव गोगोई ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोप लगाया है कि यह बजट कुर्सी बचाने और पूंजीपतियों को अमीर बनाने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्तमंत्री का यह बजट बेहद निराशाजनक है। गौरव गोगोई मंगलवार को एक वीडियो संदेश जारी कर बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह बजट दो राजनीतिक दलों को संतुष्ट करके अपनी कुर्सी बचाने के लिए बनाया गया है।

चुनावी अनियमितता : हाईकोर्ट ने ईसी और भाजपा सांसद को तलब किया

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने मंगलवार को हालिया लोकसभा चुनाव में कथित अनियमितताओं को लेकर चुनाव आयोग, भाजपा सांसद कृपानाथ मल्लाह और करीमगंज के रिटर्निंग अधिकारी को तलब किया। न्यायमूर्ति संजय कुमार मेधी द्वारा जारी यह सम्मन कांग्रेस उम्मीदवार हाफिज रशीद अहमद चौधरी की चुनाव याचिका पर आया है, जिसमें उन्होंने मल्लाह द्वारा धांधली, बूथ कैप्चरिंग और रिश्वतखोरी का आरोप लगाया था। चौधरी ने 47 मतदान केंद्रों में अधिक मतों की गिनती और बूथ कैप्चरिंग जैसी विसंगतियों का हवाला देते हुए मल्लाह की जीत को रद्द करने की मांग की। अगली सुनवाई 19 अगस्त -शेष पृष्ठ दो पर

कोकराझार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोकराझार। बोड़ो प्रादेशिक क्षेत्र (बी.टी.आर.) में सहकारी समितियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से, आज 23 जुलाई, 2024 को कोकराझार के गुरुफेला सामुदायिक भवन में एक सूचनात्मक प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त देयता समूहों (जे.एल.जी.), किसान उत्पादक संगठनों (एफ.पी.ओ.) और मोती की खेती के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह जागरूकता कार्यक्रम वाइब्रेंट बी.टी.आर. मिशन के तहत बी.टी.सी. प्रमुख प्रमोद बोरो द्वारा शुरू की गई 100 दिवसीय कार्य योजना का हिस्सा है। इस पहल का उद्देश्य इच्छुक समूहों को नाबार्ड और अपेक्स बैंक से प्रशिक्षण और वित्तीय लिंकेज सहायता प्रदान करना है। जागरूकता बैठक में भाग लेते हुए, बी.टी.सी. के सहकारिता के कार्यकारी सदस्य, उकील मुचाहारी ने दोहराया कि बी.टी.आर. सरकार व्यवसायिक उपक्रमों में संलग्न होने के इच्छुक पंजीकृत सहकारी समितियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इस व्यापक जागरूकता अभियान को पूरे बीटीआर जिले में विस्तारित किया जाएगा, जिसमें क्षमता निर्माण, परियोजना तैयारी और वित्तीय जुड़ाव -शेष पृष्ठ दो पर

बोडोफा यूएन ब्रह्म सुपर 50 मिशन के लिए साक्षात्कार

कोकराझार। बोडोफा यूएन ब्रह्म सुपर 50 मिशन (यूपीएससी/एपीएससी) के लिए बीटीआर के मेधावी उम्मीदवारों का निष्पक्ष चयन सुनिश्चित करने के लिए, बीटीआर सरकार के प्रमुख कार्यक्रम, *बोडोफा यूएन ब्रह्म सुपर 50 मिशन (यूपीएससी/एपीएससी)* के 2024-25 बैच के लिए मुख्य पैटर्न परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले शीर्ष 155 उम्मीदवारों के लिए बीटीसी के सचिवों द्वारा एक परामर्श सह व्यक्तिगत साक्षात्कार सत्र आयोजित किया जा रहा है। कुल 1781 छात्र प्रारंभिक परीक्षा में उपस्थित हुए, 300 मुख्य परीक्षा में उपस्थित हुए, और शीर्ष 155 सिविल सेवा उम्मीदवारों का साक्षात्कार 22, 23 और 24 जुलाई को बोड़ोलैंड गेस्ट हाउस, कोकराझार में लिया जा रहा है।

दिशाहीन, जनविरोधी कोई विजन नहीं : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्रीय बजट 2024-25 को *राजनीतिक रूप से पक्षपातपूर्ण और गरीब विरोधी* करार दिया और राज्य को *वंचित* करने के लिए केंद्र की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने आश्चर्य जताया कि पश्चिम बंगाल ने क्या गलती की है कि उसे केंद्र द्वारा वंचित किया गया है। बजट को लेकर ममता ने एक बयान में कहा कि यह दिशाहीन, जनविरोधी, कोई विजन नहीं, सिर्फ राजनीतिक मिशन है। मुझे कोई -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

असम में अपराध दर में भारी गिरावट मामलों के निपटान में सुधार

गुवाहाटी। गुवाहाटी में असम पुलिस मुख्यालय ने 23 जुलाई को मासिक राज्य अपराध सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें राज्य भर में अपराध के प्रमुख आंकड़ों में उल्लेखनीय सुधार का खुलासा हुआ। सम्मेलन में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, असम में प्रति लाख जनसंख्या पर अपराध दर में पिछले छह वर्षों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। 2019 में अपराध दर प्रति लाख जनसंख्या पर 387.5 थी। 2023 तक यह गिरकर 183.1 हो गई, जो 52 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्शाती है। 2024 (जून तक) के लिए अनुमानित आंकड़ा और भी कम होकर 139.3 हो गया है। कुल पंजीकृत मामलों की संख्या में भी भारी गिरावट देखी गई है। 2019 में 132,877 मामले थे, जो 2023 में घटकर 65,395 रह गए। 2024 की पहली छमाही में अब तक केवल 25,079 मामले ही दर्ज किए गए हैं। अपराध दर में कमी के साथ-साथ मामलों का निपटारा भी अपेक्षाकृत स्थिर रहा है। 2019 में 119,300 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि 2023 में यह संख्या 105,130 होगी। हालांकि, औसत मासिक निपटान दर में 2021 में 11,221 से 2023 में 8,760.8 तक मामूली गिरावट देखी गई है। असम में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और विशेष एवं स्थानीय कानून (एसएलएल) के तहत मामलों में सजा की दर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। 2018 में यह दर 5.9 प्रतिशत थी, जो 2023 में बढ़कर 16.75 प्रतिशत हो गई। 2024 के आंकड़े और भी चौंकाने वाले हैं, जिसमें साल के पहले छह महीनों में सजा की दर 21.29 प्रतिशत तक पहुंच गई। अकेले जून 2024 में 22.36 प्रतिशत की प्रभावशाली सजा दर देखी गई। यह उल्लेखनीय सुधार पिछले वर्षों की सजा दरों से बिल्कुल अलग है। 2020 में, जब कोविड-19 महामारी चरम पर थी, सजा दर गिरकर 5.5त्न हो गई थी। हालांकि, उसके बाद से इसमें जोरदार उछाल आया है, जो 2023 तक तीन गुना से भी ज़्यादा हो जाएगा। ऐसे मामलों की संख्या में भी नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है जिनमें दोषसिद्धि हुई। 2021 में जहां 752 दोषसिद्धि हुई, वहीं 2022 में यह संख्या बढ़कर 4,642 और 2023 में 4,835 हो गई। 2024 की पहली छमाही में ही असम में 2,798 दोषसिद्धि दर्ज की जा चुकी है। सजा की दरों में वृद्धि के साथ-साथ, केस प्रोसेसिंग की दक्षता में भी सुधार हुआ है। जिन मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई (यह दर्शाता है कि मामला सुनवाई के लिए तैयार है) उनका प्रतिशत 2022 में 34.30 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 50.22 प्रतिशत हो गया है। 2024 की पहली छमाही के लिए, यह आंकड़ा प्रभावशाली 63.31 प्रतिशत है। असम के पुलिस महानिदेशक जी.पी. सिंह ने इन सुधारों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस बल राज्य में आपराधिक न्याय प्रतिक्रिया तंत्र को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। ये आंकड़े, आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय, असम द्वारा सांख्यिकीय पुस्तिका असम-2021 में प्रकाशित अनुमानित जनसंख्या डेटा से प्राप्त हुए हैं, जो राज्य की कानून और व्यवस्था की स्थिति में सकारात्मक रुझान का संकेत देते हैं।

बजट में मध्यम वर्ग को आर्थिक राहत देकर सरकार ने उनके सपनों को नया विस्तार दिया : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि आम बजट 2024-25 में केंद्र सरकार ने मध्यम वर्ग को आर्थिक राहत देकर उनके सपनों को नया विस्तार दिया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने बजट का स्वागत करते हुए एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर कहा कि बजट 2024-25 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का देशवासियों की आशा, आकांक्षा व विश्वास पूर्ति के संकल्प का प्रतिबिम्ब है। यह बजट युवाओं व महिलाओं के सशक्तीकरण के साथ-साथ किसानों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध करवाकर विकसित व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह बजट ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और एंटरप्रेन्योरशिप को और बढ़ावा देकर देश के आर्थिक विकास को नई ऊंचाई देने की प्रधानमंत्री मोदी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, इस बजट में टैक्स नियमों का भी सरलीकरण किया गया है, जिससे करदाताओं को बहुत आसानी होगी। शाह ने कहा कि टैक्स में छूट हो या उसके नियमों को आसान करना हो, *प्रधानमंत्री आवास योजना* के तहत मध्यम वर्गीय परिवारों को आवास देना हो या कैंसर के मरीजों को दवाओं में राहत देने का निर्णय हो; यह बजट मध्यम वर्ग के जीवन को और भी आसान बनाने वाला है। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण हमेशा से मोदी सरकार की योजनाओं व नीतियों के केंद्र में रहा है। आज बजट में कृषि क्षेत्र में उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए की घोषणा कृषि क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होने वाली है। शाह ने कहा कि बजट में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक कृषि के लिए सर्टिफाई करने, 10 हजार बायो-इनपुट सेंटर्स की स्थापना, कृषि के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण, 400 जिलों में खरीफ फसलों का क्रॉप सर्वे और तिलहनों के लिए एक कार्यनीति का निर्माण जैसे निर्णयों से कृषि क्षेत्र तेजी से आत्मनिर्भर होने की दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सहकारी क्षेत्र को निरंतर विस्तार देकर ग्रामीण अर्थतंत्र को मजबूत बनाने का काम किया जा रहा है। बजट में *राष्ट्रीय सहकारी नीति* के निर्माण की घोषणा, देश में सहकारी आंदोलन को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर इसकी पहुंच को मजबूत करने का काम करेगी।

मशहूर संगीतकार रमेन बरुआ लापता सीएम चिंतित

गुवाहाटी। प्रसिद्ध असमिया संगीतकार रमेन बरुआ सोमवार सुबह गुवाहाटी स्थित अपने आवास से निकलने के बाद लापता हो गए। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। 84 वर्षीय बरुआ सुबह गुवाहाटी के लतासिल इलाके में अपने घर से यह कहकर निकले थे कि वह पास के एक मंदिर में जा रहे हैं और देर शाम तक वापस नहीं लौटे, जिसके बाद उनके परिवार ने पुलिस को जानकारी दी। गुवाहाटी पुलिस उनकी तलाश कर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि वे बरुआ के अचानक लापता होने से चिंतित हैं। प्रसिद्ध रेडियो कलाकार, बरुआ ने कई असमिया फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया है, जिनमें डॉ. बेजबरुआ, बरुआर सेंगर, मुकुता, ललिता, कोकाइदेउता और नाती अरु हाती शामिल हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स में कि मैं रमेन बरुआ के अचानक लापता होने से बहुत परेशान हूं। वह आज सुबह से लापता हैं। उनकी अनुपस्थिति उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत प्रशंसकों के लिए चिंता का विषय है। मैंने गुवाहाटी के आयुक्त दिगंता बोरा से सभी संसाधन जुटाने और उसका पता लगाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने को कहा है।

रूपहीहाट में पिस्टल के साथ एक गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। रूपहीहाट पुलिस ने एक व्यक्ति को पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। इस व्यक्ति पर कई डकैतियों के मामलों में आरोपी है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि रूपहीहाट पुलिस की छापामारी के दौरान अमेरिका में निर्मित एक .22 पिस्तौल के साथ नगांव के मध्य सियालमारी के चांद मियां को गिरफ्तार किया है।

रेडियो समाचार की शक्ति शीर्षक व्याख्यान आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। आकाशवाणी गुवाहाटी द्वारा *प्रसारण की सीमाएं: रेडियो समाचार की शक्ति* शीर्षक व्याख्यान का आयोजन किया गया। आकाशवाणी द्वारा मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार सोमवार को आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत जनसंचार विभाग की सहायक प्रोफेसर मृणालिनी शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। विशेष व्याख्यान में कॉलेज के विभिन्न विभागों के छात्र, संकाय सदस्य और कॉलेज द्वारा संचालित सामुदायिक रेडियो सेल्सियन 90.8 के प्रशिक्षु शामिल हुए। छात्रों ने अतिथियों को औपचारिक *खड़ा* भेंट किया। मुख्य वक्ता, आकाशवाणी कुर्सेओंग और आकाशवाणी गुवाहाटी में क्षेत्रीय समाचार इकाई के वरिष्ठ संपादक और प्रमुख मानस प्रतिम शर्मा ने रेडियो समाचार के महत्व के बारे में एक आकर्षक व्याख्यान दिया, जिसमें विशेष रूप से ऑल इंडिया रेडियो पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने छात्रों को बताया कि समय के साथ-साथ आकाशवाणी ने आज के मीडिया परिदृश्य में प्रासंगिक बने रहने के लिए एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए खुद को नया रूप दिया है। आकाशवाणी कुर्सेओंग में क्षेत्रीय समाचार इकाई के समाचार प्रभारी अशोक चौरसिया ने समाचार वाचने पर अपनी विशेषज्ञता साझा की और एक अच्छे समाचार वाचक बनने के लिए आवश्यक कौशल पर जोर दिया। व्याख्यान के बाद, एक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिसमें मानस प्रतिम शर्मा और अशोक चौरसिया ने छात्रों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दिया, जिससे रेडियो समाचारों के बारे में उनकी समझ बढ़ी।

एनआरसी के बायोमेट्रिक मामले में केंद्रीय गृह मंत्री से बात करेंगे : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि एनआरसी के सिलसिले में जिन नौ लाख लोगों का बायोमेट्रिक पहचान नहीं हो रहा है। इस मामले को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ बातचीत करेंगे, ताकि लोगों को राहत मिल सके। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि एनआरसी के दौरान ऐसे लोगों के बायोमेट्रिक भी फंसे हैं, जिनका नाम एनआरसी की अंतिम सूची में भी आ चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनमें बड़ी संख्या में ऐसे लोगों का बायोमेट्रिक भी फंसा हुआ है, जो आवश्यक नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कारण लोगों को हो रही कठिनाइयों को ध्यान में रखते मुख्यमंत्री अपने दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री के साथ चर्चा करेंगे, ताकि इसको लेकर कोई रास्ता निकाला जा सके।

बजट के खिलाफ आज संसद में प्रदर्शन करेंगे विपक्षी सांसद

नई दिल्ली। मोदी सरकार द्वारा आज पेश किए गए बजट को लेकर सियासत तेज हो गई है। विपक्ष मोदी सरकार पर हमलावर है। वहीं बजट को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर इंडिया ब्लॉक के फ्लोर लीडर्स (लोकसभा और राज्यसभा) की बैठक हुई। इस बैठक में इंडिया अलायंस के सांसद ने बजट को भेदभावपूर्ण बताया। इसके साथ ही उनकी ओर से एलान किया गया कि कल, 24 जुलाई, सुबह संसद में विरोध प्रदर्शन करेंगे। इंडिया ब्लॉक फ्लोर लीडर्स की बैठक में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि हमने बजट पर चर्चा की...जहां-जहां गैर-बीजेपी सरकार है, वहां-वहां बजट ब्लैक आउट हो गया है। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर कुछ नहीं है। इसे लेकर हम कल संसद में विरोध प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम संसद के अंदर भी अपनी आवाज उठाएंगे। यह बीजेपी का बजट नहीं है, यह पूरे देश का बजट है, लेकिन उन्होंने इसे ऐसे पेश किया है जैसे यह बीजेपी का बजट है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि तीसरी बार जीतने के बावजूद, भाजपा ने लोगों के लिए कुछ नहीं किया। तमिलनाडु को ऐतिहासिक तबाही का सामना करने के बावजूद, राज्य को कोई धन आवंटित नहीं किया गया। तमिलनाडु के लिए कोई योजना नहीं...मैं नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने जा रहा हूं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्रीय बजट 2024-25 को *राजनीतिक रूप से पक्षपातपूर्ण और गरीब विरोधी* करार दिया और राज्य को *वंचित* करने के लिए केंद्र की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने आश्चर्य जताया कि पश्चिम बंगाल ने क्या गलती की है कि उसे केंद्र द्वारा *वंचित* किया गया है। बजट को लेकर ममता ने एक बयान में कहा कि यह दिशाहीन, जनविरोधी, कोई विजन नहीं, सिर्फ राजनीतिक मिशन है। मुझे कोई रोशनी नहीं दिखती, अंधेरा है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि पिछले दस सालों में बजट से आम आदमी, किसानों, छात्रों को क्या मिला?...पहले सिर्फ एक राज्य गुजरात के लिए बजट बनता था, अब इसमें दो राज्य और जुड़ गए हैं...पहली बार, मैंने देखा है कि देश के कल्याण के लिए नहीं, बल्कि सरकार बचाने के लिए बजट बनाया गया है।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

Apollo HOSPITALS

NEPHROLOGIST
Dr.J.Rajamahesh MBBS,MRCP(UK)
Will be available only for consultation at Guwahati
ON 8th August'2024

Patients suffering from high blood pressure, urinary incontinence, bladder problems, high level of urea & creatinine, chronic renal failure, kidney problems may register their names in advance at:

APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

बजट में 7.75 लाख...

इससे देश के स्टार्टअप को फायदा मिलेगा और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कैंसर के इलाज की तीन दवाओं को मूल सीमा शुल्क से छूट दिए जाने का एलान किया। उन्होंने मोबाइल फोन उद्योग पर भी छूट देने का एलान करते हुए कहा कि मैं मोबाइल फोन और मोबाइल पीसीबीएस तथा मोबाइल चार्जर पर बीसीडी को घटाकर 15 फीसदी करने का प्रस्ताव करती हूं। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण की शुरुआत करने का भी एलान किया। इसके तहत 25 हजार ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें उपलब्ध कराई जाएंगी। वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया है। उन्होंने कहा कि सरकार घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपए तक के ऋण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार 500 शीर्ष कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक योजना शुरू करेगी, जिसमें 5000 रुपए प्रति महीने इंटर्नशिप भत्ता और 6 हजार रुपए की एकमुश्त सहायता दी जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार अगले 5 साल में बुनियादी ढांचे के लिए मजबूत राजकोषीय समर्थन बनाए रखने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपए होगा, जो हमारे सकल घरेलू उत्पाद का 3.4 फीसदी होगा। उन्होंने कहा कि वित्तीय घाटा 2024-25 तक सकल घरेलू उत्पाद का 4.9 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि हमारा लक्ष्य घाटे को 4.5 फीसदी से नीचे पहुंचाना है। नि:शुल्क सौर बिजली योजना पर वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की गई है, जिसके तहत छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे, जिससे एक करोड़ परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक नि:शुल्क बिजली मिल सकेगी। यह योजना इसे और बढ़ावा देगी। सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा कि हमारी सरकार आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में की गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की पूंजी की आवश्यकता को समझते हुए, हम बहुपक्षीय एजेंसियों के माध्यम से विशेष वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान करेंगे। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भविष्य के वर्षों में अतिरिक्त राशि के साथ 15,000 करोड़ रुपए की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पोलावरम सिंचाई परियोजना के शीघ्र पूरा होने और वित्त पोषण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जो आंध्र प्रदेश और उसके किसानों के लिए जीवन रेखा है। वित्त मंत्री ने बिहार के लिए पिटारा खोलते हुए हवाई अड्डों सहित अन्य कई परियोजनाओं के लिए 60 हजार करोड़ रुपए से अधिक का प्रस्ताव रखा। इनमें तीन एक्सप्रेस-वे, एक बिजली संयंत्र, विरासत गलियारों, नए हवाई अड्डे एवं खेल से संबंधित बुनियादी ढांचे वाले योजनाओं की रूपरेखा पेश की। वित्त मंत्री ने बिहार के लिए 21,400 करोड़ रुपए की लागत से बिहार के पीरपैंती में 2400 मेगावाट का नया बिजली संयंत्र स्थापित करने सहित बिजली परियोजनाएं शुरू करने का एलान किया। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भविष्य के वर्षों में अतिरिक्त राशि के साथ 15 हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर पर हम बिहार के गया में औद्योगिक विकास को समर्थन देंगे, जो पूर्वी क्षेत्र के विकास को गति देगा। उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा कि हम सड़क संपर्क परियोजनाओं पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे, बक्सर-भागलपुर राजमार्ग, बोधगया-राजगीर-वैशाली-दरभंगा के विकास में सहयोग करने और बक्सर में गंगा नदी पर 26,000 करोड़ रुपए की लागत से एक अतिरिक्त दो लेन का पुल बनाने की घोषणा की। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण की शुरुआत की जाएगी, जिसके तहत 25 हजार ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि बिहार में अक्सर बाढ़ आती रहती है। नेपाल में बाढ़ नियंत्रण संरचनाओं के निर्माण की योजना अभी तक आगे नहीं बढ़ पाई है। हमारी सरकार 11,500 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि असम जो हर साल बाढ़ से जूझता रहता है। बाढ़ प्रबंधन और संबंधित परियोजनाओं के लिए सहायता मिलेगी। वित्त मंत्री ने हिमाचल प्रदेश को बाढ़ के कारण हुए भारी नुकसान के लिए बहुपक्षीय सहायता के माध्यम से पुनर्निर्माण के लिए सहायता करने का एलान किया। इसके अतिरिक्त, उत्तराखंड, जिसे भूस्खलन और बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है, को आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि अभी भी शानदार अपवाद बनी हुई है, ये आने वाले साल में भी ऐसी ही रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत की मुद्रास्फीति कम और स्थिर बनी हुई है, जो चार फीसदी के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मुझे 2 लाख करोड़ रुपए के केंद्रीय परिव्यय के साथ 5 सालों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए 5 योजनाओं और पहलों के प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इस वर्ष हमने शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। सीतारमण ने कहा कि जैसा कि अंतरिम बजट में उल्लेख किया गया है, हमें 4 अलग-अलग जातियों, गरीब, महिला, युवा और किसान पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। किसानों के लिए हमने सभी प्रमुख फसलों के लिए उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है, जो लागत से कम से कम 50 फीसदी मार्जिन के वादे को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना को 5 साल के लिए बढ़ाया गया है, जिससे 80 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा कि बजट में सरकारी की नौ प्राथमिकताएं हैं, जिनमें खेती में उत्पादकता, रोजगार और क्षमता विकास, समग्र मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अधोसरंचना, नवाचार, शोध व विकास और अगली पीढ़ी के सुधार शामिल हैं। बजट को लोकसभा में पेश करने से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। वित्त मंत्री ने स्थापित परंपरा के तहत राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से बजट पेश करने की अनुमति ली। इसके बाद केंद्रीय बजट 2024-25 को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट है। लोकसभा चुनाव के कारण अंतरिम बजट एक फरवरी, 2024 को पेश किया गया था। निर्मला सीतारमण ने लगातार सातवीं बार वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश कर रिकॉर्ड कायम किया है। यह बजट 2047 तक विकसित भारत की रूपरेखा तैयार करेगा। इससे पहले मोरारजी देसाई के नाम लगातार छह बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड है। वित्त मंत्रालय की ओर से *एक्स* पोस्ट पर जारी एक बयान के मुताबिक विकसित भारत का केंद्रीय बजट 2024-25 वित्त मंत्रालय के एक्स हैंडल, फेसबुक, पीआईबी और https://finmin.gov.in/ पर उपलब्ध है। इसके अलावा केंद्रीय बजट 2024-25 का बजट दस्तावेज एंड्रॉइड और एप्पल ओएस दोनों प्लेटफार्मों अंग्रेजी और हिंदी में उपलब्ध है।

नई ताकत देने ...

पैदा होंगे। इस योजना के तहत सरकार नए लोगों को पहला वेतन देगी। अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम के तहत गांवों के युवा देश की शीर्ष कंपनियों में काम कर सकेंगे। पीएम मोदी ने बजट को लेकर कहा कि एनडीए सरकार ने पिछले 10 साल में ये सुनिश्चित किया है कि गरीब और मध्यम वर्ग को लगातार टैक्स से राहत मिलती रहे। इस बजट में भी आयकर में कटौती और स्टेंडर्ड डिडाक्शन में वृद्धि का बहुत बड़ा फैसला लिया गया है। टीडीएस के नियमों को भी सरल किया गया है। इन कदमों से हर टैक्सपेयर को अतिरिक्त बचत होने वाली है। पीएम ने किसान को लेकर कहा कि इस बजट का एक बहुत बड़ा फोकस देश के किसान है। अन्न भंडारण के लिए दुनिया की सबसे बड़ी स्कीम के बाद अब हम वेजिटेबल प्रोडक्शन क्लस्टर बनाने जा रहे हैं। इससे छोटे किसानों को सब्जियों-फल, अन्य उपज के लिए नए बाजार मिलेंगे और बेहतर दाम मिलेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि इस बजट से छोटे व्यापारियों, एमएसएमई को अपनी प्रगति का नया रास्ता मिलेगा। बजट में मैन्युफैक्चरिंग पर भी बल दिया गया है और इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी बल दिया गया है। इससे आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी और गति को भी निरंतरता मिलेगी। रोजगार और स्वरोजगार के लिए यह एक अवसर देता है।

दोबारा नहीं होगी ...

कहा था। वहीं, सुनवाई शुरू होने पर सीजेआई ने रिपोर्ट में लिखी बातों का हवाला दिया और कहा कि हमें आईआईटी दिल्ली की रिपोर्ट मिली है। आईआईटी निदेशक रंगन बनर्जी ने भौतिकी विभाग की एक समिति गठित की और वे बताते हैं कि तीन विशेषज्ञों की एक टीम ने प्रश्न की जांच की। टीम का कहना है कि चौथा विकल्प सही जवाब है।

भारत की विकास ...

व्यवसायों को संगठित करने की दिशा में अभूतपूर्व प्रयासों का प्रतिबिंब है। रोजगार और कौशल के लिए पीएमएस पैकेज, एक करोड़ देय इंटर्नशिप सुविधाएं और रोजगार से संबंधित पहलों से बड़ा सकारात्मक बदलाव आएगा। डॉ शर्मा कहा कि बाढ़ की चुनौतियों से निपटने के लिए बजट के तहत असम को दी गई मदद के लिए हम आभारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा चल रहा मिशन बसुन्धरा 3 भूमि पंजीकरण के लिए घोषित सबसे अच्छा संस्करण है। इन प्रयासों से प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटन में वृद्धि और प्रधानमंत्री आदिवासी उन्नत ग्राम मिशन जैसे सभी आदिवासी बहुसंख्यक गांवों की योजनाओं की भागीदारी, कृषि उत्पादकता में सुधार, हरित ऊर्जा की पहल और ग्रामीण विकास के लिए हर राज्य को अग्रेषित करना संभव होगा। असम के विकास पर 5 लाख करोड़ रुपए का सकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह बजट भारत को एक तेजी से विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में सुनिश्चित करेगा जैसे - इनकम टैक्स कानूनों की समीक्षा, एंजेल टैक्स वापसी, वित्तीय आधार में कमी, केपेक्स को बनाए रखना और आने वाले वर्ष में कई अन्य उपाय शामिल हैं।

चुनावी अनियमितता : हाईकोर्ट ...

को होनी है। चौधरी, जो मल्लाह से 18,360 मतों से हार गए थे, ने इन कथित मुद्दों के कारण 32 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान के लिए चुनाव आयोग को 19 याचिकाएं प्रस्तुत कीं, जिन पर कथित रूप से कोई ध्यान नहीं दिया गया, जिसके कारण उन्हें न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करनी पड़ी।

दिशाहीन, जनविरोधी ...

रोशनी नहीं दिखती, अंधेरा है। ममता ने कहा कि वे चुनाव के दौरान बड़े-बड़े दावे और वादे करते हैं। लेकिन वोट मिलने के बाद वे दार्जिलिंग, कलिम्पोंग को भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि दार्जिलिंग की पहाड़ियों के लोगों को यह याद रखना चाहिए। सिक्किम को चीजें मिलने दीजिए, हमें कोई आपत्ति नहीं है लेकिन दार्जिलिंग को वंचित रखना ठीक नहीं है। यह बजट जनविरोधी है, गरीब विरोधी है और आम लोगों के लिए नहीं है। यह एक पार्टी को खुश करने वाला बजट है। यह राजनीतिक पूर्वाग्रहों से भरा बजट है। टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने कहा कि मैं इसे छेड़छाड़ वाला बजट कहता हूं...प्रमुख समस्याएं - 9.2 प्रतिशत पर बेरोजगारी और 5त्न पर मुद्रास्फीति - का बिल्कुल भी समाधान नहीं किया गया है। राज्यों को उनका उचित हिस्सा नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ आंध्र प्रदेश और बिहार को फायदा हुआ। यह बिल्कुल भी अच्छा बजट नहीं है। उन्होंने बुनियादी ढांचे में सब कुछ निवेश किया है, जिसे आकार लेने में काफी समय लगेगा। इसलिए, यह कोई बुद्धिमानी भरा बजट नहीं है।

कोकराझार में जागरूकता ...

के लिए तंत्र शामिल होंगे। बैठक में 80 सहकारी समितियों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 100 सदस्यों ने भाग लिया। जागरूकता कार्यक्रम को अन्य लोगों के अलावा सीएचडी कोऑपरेशन जयंत खेरकटारी, नाबार्ड डीडीएम कुंतल पुरकायस्थ और गोसाईगांव अपेक्स बैंक के शाखा प्रबंधक रॉबिन नाथ ने संबोधित किया।

ये कुर्सी बचाओ ...

गठबंधन सहयोगियों को ठगने के लिए आधी-अधूरी रेवड़ियां बांट रहा है ताकि एनडीए बच जाए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा कि 10 साल बाद, दो करोड़ रोजगार प्रति वर्ष के नारे की मार झेल रहे युवाओं के लिए सीमित घोषणाएं की गई हैं। उन्होने कहा कि किसानों के लिए सिर्फ सतही बातें की गई हैं - डेढ़ गुना एमएसपी और आय दोगुनी - सब चुनावी धोखा साबित हुआ! इस सरकार का ग्रामीण मजदूरी बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है। वहीं कांग्रेस पार्टी ने भी केंद्रीय बजट की आलोचना की और कहा कि यह कार्रवाई की तुलना में दिखावे पर अधिक केंद्रित है और दावा किया कि कॉपी-पेस्ट सरकार ने लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र से बहुत कुछ उधार लिया है। विपक्षी दल ने अपने पोस्ट में दावा किया कि सरकार ने चुपचाप स्वीकार किया है कि बड़े पैमाने पर बेरोजगारी एक राष्ट्रीय संकट है, और कहा कि बजट में राजनीतिक मजबूरियां लिखी हुई हैं।

बजट पूरी तरह से ...

पर एक पोस्ट में, चिदंबरम ने कहा कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि माननीय वित्त मंत्री ने चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस का घोषणापत्र लोकसभा 2024 पढ़ा है। मुझे खुशी है कि उन्होंने कांग्रेस घोषणापत्र के पृष्ठ 30 के रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन (ईएलआई) को अपनाया है। चिदंबरम ने आगे कहा कि मुझे इस बात की भी खुशी है कि उन्होंने कांग्रेस घोषणापत्र के पृष्ठ 11 पर उल्लिखित अप्रेंटिस स्कीम के लिए भत्ते के साथ-साथ अप्रेंटिस योजना भी शुरू की है। उन्होंने वित्त मंत्री पर कटाक्ष करते हुए ये भी कहा कि काश उन्होंने कांग्रेस घोषणापत्र में कुछ अन्य विचारों की नकल की होती। पूर्व वित्त मंत्री ने आगे कहा कि मैं जल्द ही छूटी हुई बातों की एक लिस्ट दूंगा। चिदम्बरम ने कहा कि उन्हें यह सुनकर भी खुशी हुई कि वित्त मंत्री एंजल टैक्स खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कई वर्षों से इसे खत्म करने की मांग की है और हाल ही में कांग्रेस के घोषणापत्र के पृष्ठ 31 पर भी इसे खत्म करने की मांग की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट में युवाओं के रोजगार के लिए नई स्कीम शुरू की है। उन्होंने कहा कि सरकार 500 शीर्ष कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक योजना शुरू करेगी। इसमें 5000 रुपए प्रति माह इंटर्नशिप भत्ता और 6000 रुपए की एकमुश्त सहायता दी जाएगी। सीतारमण ने 2024-25 के लिए बजट पेश किया, यह उनकी लगातार 7वीं प्रस्तुति है, जिसने पूर्व प्रधान मंत्री मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान पहला बजट था।

चोरी की बाइक समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की नूनमाटी पुलिस ने चोरी की एक बाइक समेत एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि थाना क्षेत्र के निजरापार इलाके में एक पल्सर बाइक (एएस-25एस-8322) को बेचते समय अब्दुल अली उर्फ फुटूनी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी बाइक को हाजों से चुराकर गुवाहाटी के निजरापार इलाके में बेचने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान उसे गिरफ्तार किया गया। घटना के संबंध में कामरूप (ग्रामीण) जिले के हाजो थाने में प्राथमिक की दर्ज है। पुलिस गिरफ्तार बाइक चोर को बाइक समेत हाजो पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी आधार पर मामले की जांच कर रही है।

नारी शक्ति कल्याणकारी कदमों को आगे ले जाने में अग्रणी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि हमारी नारी शक्ति समाज के कल्याणकारी कदमों को आगे ले जाने में अग्रणी है। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया के जरिए नारी शक्ति को लेकर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें दिखाया गया है कि किस प्रकार नारी शक्ति विभिन्न प्रकार से समाज में जागृति पैदा कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीनी स्तर पर स्वयं सहायता समूहों की 40 लाख महिला सदस्य अभिनव अभियानों के माध्यम से बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करके महिला सशक्तिकरण के सच्चे प्रतिनिधियों के रूप में मजबूती से काम कर रही हैं।

मकान मालिक पर लगा हत्या का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के भांगागढ़ थाना क्षेत्र के रुपनगर इलाके में एक युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत के बाद मृत्यु युवक की परियों ने मकान मालिक पर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। मंगलवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रूपनगर के शंकरदेव पथ के मकान नंबर 18 में नलवाड़ी निवासी पंकज वैश्या का संदिग्ध अवस्था में एक युवक का शव बरामद किया गया।

असंवेदनशील सरकार का निराशाजनक बजट : कांग्रेस अध्यक्ष

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा है कि केन्द्र सरकार का यह बजट भाजपा सरकार के पिछले सभी बजटों की तरह सुर्खियां बटोरने के लिए बढ़िया है। यह लोगों की तकलीफें कम करने के लिए नहीं है। असंवेदनशील सरकार का निराशाजनक बजट है। मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोरा केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में इस समय सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। बजट में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों के बारे में कोई जिक्र नहीं है बल्कि सरकार ने 500 शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप नामक एक रचनात्मक जुमला पेश किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि इन शीर्ष पांच सौ कंपनियों में काम करने के लिए कितने लोग योग्य हैं? क्या इनमें से ज़्यादातर कंपनियां इस हुक्म से बचने के लिए पर्याप्त योग्य लोग न मिलने जैसी बातें कहकर बचाव के रास्ते नहीं ढूंढ़ेंगी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि सरकार सामाजिक और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने का अपना काम औद्योगिक क्षेत्र को क्यों सौंप रही है? उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्ष से, असम ने कुल मिलाकर लगभग 10 हजार 785 करोड़ रुपए की मांग की है, लेकिन केंद्र ने केवल 250 करोड़ रुपए दिए। उन्होंने कहा कि आज असम को एक बार फिर ठगा गया है। इस बजट में बिहार को 11 हजार 500 करोड़ रुपए दिए गए, लेकिन असम को मदद का सिर्फ आश्वासन दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से की मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। मुलाकात के बाद सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आज केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर से मिलकर धन्य हूं। मुलाकात के दौरान हमने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक्ट ईस्ट नीति को मजबूत करने में असम की रचनात्मक भूमिका है। विदेशी निवेशकों को असमान विकास में भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित करने पर चर्चा हुई। दक्षिण पूर्व एशिया के लिए एक उपयुक्त प्रवेश द्वार के रूप में हमारे राज्य को मजबूती से स्थापित करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया।

लापता युवक का शव बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सातगांव थाना अंतर्गत नारंगी के कलंगपार बाजार के समीप लापता युवक का शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया की नारंगी के कलंगपार बाजार के समीप नाले से एक युवक का शव बरामद किया। मृतक की पहचान नारंगी के अनुकूल बस्ती निवासी सैदुल अली के रूप में की गई है। जो बीती रात से लापता था। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा का तृतीय अधिवेशन को लेकर बैठक आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा के तृतीय अधिवेशन को लेकर 21 जुलाई को गुवाहाटी में बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता अखिल असम रौनियार महासभा असम प्रांत के अध्यक्ष छत्रपति गुप्ता ने किया। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल में असम प्रांत के उपाध्यक्ष श्यामानंद रौनियार, उपाध्यक्ष रुपनारायण शाह, सचिव अनिल, गुप्ता, कोषाध्यक्ष उपेंद्र शाह आदि पदाधिकारी मौजूद थे। सर्वप्रथम गुवाहाटी हरियाणा भवन में सभा रखा गया, जिसमें गुवाहाटी समिति का गठन किया गया। तत्पश्चात पदाधिकारीगण रंगिया पहुंचे। रंगिया शिव मंदिर एक घाट के प्रांगण में दूसरा सभा का आह्वान किया गया। जिसमें रौनियार समाज के असंख्य व्यक्ति मौजूद थे। जिसमें समाज के उत्थान के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। अंत में रंगिया समिति का गठन किया गया। इस मौके पर रौनियार एकता महिला संगठन विश्वनाथ के अध्यक्षा सुनैना रौनियार, कोषाध्यक्ष रानी रौनियार, सदस्या ऊषा रौनियार मौजूद थी। जिन्होंने समाज के कार्य करने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि सितंबर महीना में अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा के होने वाले तृतीय अधिवेशन को लेकर राज्य के जिलों में समितियां का गठन किया जा रहा है।

अभामस की होजाई शाखा ने आयोजित की फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन कम सेल

होजाई (निसं)। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की होजाई शाखा ने आज स्थानीय जुगल किशोर केडिया स्मृति भवन में फैशन एंड लाइफस्टाइल प्रदर्शनी व सेल हेतु 18 स्टॉल लगाए जिसमें होजाई के अलावा वाराणसी, मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, गुवाहाटी, डिमापुर, नगांव, रोहा आदि जगहों से महिलाएं अपनी-अपनी स्टॉल लगाने के लिए पहुंची। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन समाज की वरिष्ठ सीता देवी सुरेखा व सत्यवती बोड़ा ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान हमारे संवाददाता से बात करते हुए उन्होंने हम काफी खुशी हुई कि हमें कार्यक्रम में अतिथि आमंत्रित किया गया। हम इस संस्था की कार्यक्रमों की सफलता की कामना करते हैं। मारवाड़ी महिला सम्मेलन होजाई शाखा की अध्यक्षा प्रियंका सरावगी व प्रोजेक्ट संयोजक ज्योति सुरेका सहीत सदस्यों ने कहा मारवाड़ी महिला सम्मेलन की होजाई शाखा का उद्देश्य संस्था के उत्थान हेतु ऐसे कार्यक्रम

करने है जिससे महिलाऐं सशक्त हो सके। उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से उक्त कार्यक्रम विगत वर्षों से आयोजित कर रहे हैं। साथ ही ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से हमें आपस में जुड़ने के साथ-साथ आपसी अनुभवों को साझा करने का एक अवसर प्राप्त होता है। इस दौरान प्रियंका सरावगी व सचिव प्रियंका बेरीवाल ने सभी को अवगत कराया कि कैसे मारवाड़ी महिला सम्मेलन समाज हित में लगातार कार्य करती जा रही है। इस दौरान कई सामाजिक संस्था के पदाधिकारी व समाज सेवी भी उपस्थित थे।

मायुमं, कामाख्या का दो दिवसीय अंतर्ज्ञान प्रक्रिया शिविर का समापन

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा ने अध्यक्ष स्नेहल बीदासरिया की अध्यक्षता में रिहाबारी स्थित विन्टेज × लौज में आर्ट ऑफ लिविंग के साथ सयुक्त रूप से चल रहे दो दिवसीय अंतर्ज्ञान प्रक्रिया का समापन किया शिविर को दो भागो में बांटा गया जिसमे जूनियर बैच 5 से 8 साल के बच्चों के लिए और सीनियर बैच 8 से 18 साल के बच्चों के लिए रखा गया। इस शिविर में बच्चों को डिसिशन मेकिंग, अकादमिक परफॉरमेंस, ग्रस्पिंग पावर इत्यादि सिखाया गया। इस शिविर को आर्ट ऑफ लिविंग के इंटरनेशनल फैकल्टी के राजेंद्र सिंह गांधी ने बहोत ही सुंदर तरीके से सिखाया इस शिविर के बहोत सारे लाभ है जैसे की अंतज्ञान जागरूकता और दूरदर्शिता में सुधार, आत्मविश्वास बढ़ाना और भी बहोत कुछ सिखाया सोना अग्रवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष स्नेहल बीदासरिया, संयोजिका उषा अग्रवाल और सह संयोजिका अनिशा अग्रवाल, सह सचिव मीना जैन, ममता सेठी उपस्थित थी। यह जानकारी जनसंपर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने दी।

सड़क दुर्घटना में बच्चों समेत पांच की मौत

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज जिले के नीलम बाजार थाना इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में एक बच्चा समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि असम-त्रिपुरा को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-8 पर निलामबाजार थाना इलाके के बेराजाल इलाके में ऑटो रिक्शा (ऐएस-10बीसी-2061) और कार (एएस-11एस-8323) के बीच में आमने-सामने की टक्कर में एक बच्चा समेत पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई। जबकि एक व्यक्ति को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी मृतकों के शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

Rashtriya Indian Military College (RIMC) Dehradun

A JOURNEY OF EXCELANCE

ENTRANCE EXAMINATION
01 DECEMBER 2024
FOR THE TERM JULY 2025

To collect the Application Form cum Prospectors visit the
RIMC website: https://rimc.gov.in
OR
To be sent Demand Draft for Rs.600 (UR) and Rs.555/- (ST/SC) in favour of
"THE COMMANDANT RIMC FUND"
Drawee Branch, HDFC Bank, Ballupur Chowk, Dehradun, (Bank Code-1399) Uttarakhand

- **Entrance Examination:-** Applications are invited from Boys & Girls students for admission into the RIMC, Dehradun for the term July 2025 Term which will be conducted on 1st December 2024 (Sunday).
- **Age Group:-** The candidate should be in the age bracket of **11Y 6M to 13Y** as on **01/07/2025** i.e. they should **not be born earlier than 02 JULY 2012 and not later than 01 JANUARY 2014**.
- **Educational Qualifications:** The candidate should either be studying in class VII or have passed class VII from any recognized school at the time of admission to the RIMC, i.e., on 1st July 2025.
- **Written Examination:-** The written part of the examination will consist of 3 (three) papers as shown below:
1st Paper: English(09.30-11.00 hrs) **2nd Paper:**General Knowledge(12.00-13.00 hrs) **3rd Paper:**Mathematics(14.30-16.30 hrs)
- **Date of Examination:-** 01/12/2024
- **Examination Center:-** Guwahati
- **Viva-Voce and Medical Test:-** Students who are qualified in the Written Examination will have to appear in Viva-Voce & Medical Test. Minimum pass marks in each paper including the interview will be 50%
- **Scholarships:-** The Government of Assam grant scholarships to the meritorious domicile students of Assam @ Rs.50000.00 PA.
- **Where to submit the Application Form:** Examination & Training (ET) Branch, Directorate of Secondary Education, Assam, Kahilipara, Road, Kahilipara, Guwahati, Pin-781019, Assam
- **Last Date of Submission of Application Form:** 30/09/2024

- **Documents to be submitted:-** 1) Original Application Form two copies, 2) Domicile Certificate, 3) Copy of Aadhaar Card (both sides), 4) Barth Certificate, 5) ST/SC Certificate, 6) Pass Port Size Photograph four copies, 7) Postal Envolap with 42 Rs. stamp for speed post of Admit Card, 8) School Certificate in which students now studying

Website
https://rimc.gov.in
https://bidyarthi.co.in
www.madhyamik.assam.gov.in

Sponsored by
Ministry of Defence
Government of India

-- Janasanyog /D/2915/24/24-Jul-24

Conducted by
Director
Secondary Education, Assam
Kahilipara, Guwahati, Pin-781019

विश्वनाथ में हिंदीभाषियों का नवलेखक शिविर का आयोजन

बिश्वनाथ (विभास)। केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) भारत सरकार तथा बिश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के संयुक्त तत्वावधान में हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का आयोजित किया गया है। इस पांच दिवसीय शिविर का विषय है हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर परिचर्चा एवं कार्यशाला जो आगामी 25 जुलाई से 29 जुलाई तक आयोजित होंगे। 25 जुलाई को 10.00 बजे से 11.30 बजे तक उद्घाटन सत्र होंगे जिसमें अध्यक्षता करेगें प्रभुनाथ सिंह, अध्यक्ष, विचाराभा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति जबकि मुख्य अतिथि है प्रमोद बरठाकुर, विधायक, विश्वनाथ विधानसभा समष्टि, विशिष्ट अतिथि डॉ. चिंतामणि शर्मा, प्राचार्य, विश्वनाथ महाविद्यालय एंव अमरज्योति बरठाकुर, पौरपति, विश्वनाथ चारिआलि नगरपालिका और निर्मंत्रित अतिथि के रूप में भाग लेगें गुम्पी डूसो लोम्बि, हिंदी अधिकारी, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश। दीप प्रज्ज्वलन करेगी डॉ. नेहा यादव, जिला आयुक्त, विश्वनाथ एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत करेगी संस्थान के विद्यार्थी तथा कार्यकर्ताओं द्वारा। स्वागत भाषण संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद ऑनलाइन माध्यम के जरिए केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी जी सभा उद्बोधन व्याख्यान देंगे। संस्थान का परिचय देंगे शिविर निदेशक व संस्थान के सचिव संतोष कुमार महतो ने। केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक (भाषा) व शिविर प्रभारी डॉ. शालिनी राजवंशी द्वारा निदेशालय का परिचय प्रस्तुत होगा। संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय के द्वारा संचालित उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन साहित्यिक सचिव मदनगोपाल साहू करेंगे। इस नवलेखक शिविर के दौरान हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर व्याख्यान सत्र प्रस्तुत होगें जिसमें देश के कई हिंदी भाषाओं के पडिंतों ने भाग लेगें। जिसमें अखिल भारतीय स्तरीय के मार्गदर्शक के रूप में क्रमश: पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा पंजाब के जनसंचार तथा मीडिया अध्ययन विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. किंशुक पाठक, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वनाथ, शिलांग मेघालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आलोक सिंह, नगालैंड विश्वविद्यालय, कोहिमा के हिंदी विभाग सहायक आचार्य डॉ. बृजेश कुमार और स्थानीय मार्गदर्शक व विद्वान के रूप में क्रमश: तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर असम के हिंदी विभाग के वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ. अनुशब्द, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर अरूणाचल प्रदेश के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव रंजन प्रसाद, पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, तेजपुर के अध्यक्षा रीता सिंह सर्जना, नगांव विश्वविद्यालय, नगांव के हिंदी विभाग सहायक आचार्या डॉ. करबी देवी, विश्वनाथ वरिष्ठ साहित्यकार व सेवानिवृत्त हिंदी शिक्षक हरि लुईटेल (उपाध्याय) तथा प्रागज्योतिष महाविद्यालय, गुवाहाटी हिंदी विभाग के सहायक आचार्या डॉ. नंदिता राजवंशी मौजूद रहेंगे। शिविर के अंतिम दिन सोमवार, 29 जुलाई को द्वादश सत्र में कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, उत्तर पूर्वी क्षेत्र, विश्वनाथ तथा भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृति प्राप्त भारत के सर्वश्रेष्ठ गांव पर्यटन नगरी गुप्तकाशी विश्वनाथ स्थल पर मार्गदर्शक द्वारा शिविरार्थियों के साथ हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर प्रत्यक्ष दर्शन पर परिचर्चा होंगे। इस सत्र के सान्निध्य के रूप में अखिल भारतीय मार्गदर्शक, स्थानीय हिंदी विद्वान और असम के वरिष्ठ हिंदी प्रचारक व राज्यपाल द्वारा सम्मानित शंकर प्रसाद साहू मौजूद रहेंगे। दोपहर 2 से 5 बजे तक समापन सत्र होगें जंहा प्रभुनाथ सिंह, अध्यक्ष, विचाराभा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति, मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. क्षीरदा कुमार शड़कीया, मंत्री, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, असम, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनुशब्द, वरिष्ठ सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, डॉ. चंद्रशेखर चौबे, क्षेत्रीय निदेशक, गुवाहाटी केंद्र, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, प्रदीप कुमार शर्मा, अध्यक्ष, विश्वनाथ जिला समिति, असम साहित्य सभा, निमंत्रित अतिथि के रूप में ध्रुवज्योति दास, अतिरिक्त जिला आयुक्त तथा जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा, हेमकुमार गौतम, जिलाध्यक्ष, विश्वनाथ जिला समिति, असम नेपाली साहित्य सभा, सान्निध्य के रूप में भवेन देउरी, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, विश्वनाथ, दीप प्रज्वलक के रूप में जितेन भागवती, वरिष्ठ शिक्षाविद व समाजसेवक, विश्वनाथ, भाग लेगें।

संपादकीय

सर्वर के सहारे दुनिया

विख्यात कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में क्या साइबर खामी आई कि लगभग दुनिया की सांसें हांफने लगीं। गतिविधियां थम गईं। अमरीका समेत जर्मनी, ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया सरीखे विकसित और प्रगतिवादी देशों में उड़ानें अवरुद्ध हो गईं अथवा रद्द करनी पड़ीं। उड़ानों के अलावा, बैंकिंग, रेलवे, स्टॉक एक्सचेंज, अस्पताल, रेस्तरां, डिजिटल पेमेंट्स, टीवी चैनलों से लेकर सुपर मार्केट सरीखी अत्यावश्यक सेवाएं ठहर गईं। कइयों को दिन भर के लिए स्थगित करना पड़ा। माइक्रोसॉफ्ट का यह एकाधिकार बेहद खतरनाक है। क्या इतने बड़े देशों के ऑपरेटिंग सिस्टम एक ही कंपनी के सर्वर के भरोसे होने चाहिए? दुनिया के बड़े आर्थिक तंत्र के घटकों के लिए यह एक खास किस्म की विकलांगता है। दुनिया के 95 फीसदी से अधिक कम्प्यूटर माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम से ही चलते हैं। उनका भरोसा रहा है कि माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के सिस्टम में कभी गड़बड़ी नहीं होगी, लेकिन सिर्फ एक खामी ने दुनिया की सबसे ताकतवर कंपनी को बेनकाब कर दिया है। माइक्रोसॉफ्ट को साइबर सुरक्षा देने वाली कंपनी-क्राउडस्ट्राइक-के अपडेट के कारण यह खामी पैदा हुई या पूरे सिस्टम में ही गड़बड़ी आई, लेकिन पूरी दुनिया सहम-सी गई, असमंजस में पड़ गई कि अब क्या किया जाए? ऐसे सर्वर की विश्वव्यापी सेवाएं देने वाली कंपनी के पास कमोबेश वैकल्पिक योजना होनी चाहिए थी, लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने किसी 'प्लान बी' का इस्तेमाल नहीं किया। कंपनी सोचती रही कि साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक इस खामी को दुरुस्त करेगी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। यह एक ही सर्वर के भरोसे दुनिया चलाने की खतरनाक स्थिति है। ऐसा नहीं है कि माइक्रोसॉफ्ट के विकल्प नहीं हैं। कई कंपनियां 'लाइनेक्स' और 'मेक' का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन दुनिया में माइक्रोसॉफ्ट का एकाधिकार है। चीन और रूस पर इस साइबर संकट का कोई भी असर नहीं पड़ा, क्योंकि उन्होंने यह आशंका काफी पहले भांप ली थी, लिहाजा उन्होंने अपने-अपने सिस्टम को विकसित किया। उनके अपने ऑपरेटिंग सिस्टम हैं, सर्वर हैं, वे पश्चिम के भरोसे नहीं हैं। उनके पश्चिम के साथ संबंध भी बेहतर नहीं हैं। भारत को इस वैश्विक संकट से सबक सीखना चाहिए। हालांकि पहले दिन शुक्रवार, 19 जुलाई को दुनिया भर में 4295 हवाई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, लेकिन भारत में भी 200 उड़ानें रद्द की गईं। भारत की अधिकतर साइबर प्रणालियां माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर से ही जुड़ी हैं। जरा कल्पना करें कि सर्वर फेल हो जाए और हमारा ऊर्जा-उत्पादन, थर्मल प्लांट, उड़ानें, मेट्रो समेत रेलवे सिस्टम, बैंकिंग और एटीएम, संचार, अस्पताल, डिजिटल लेन-देन आदि बुनियादी और अत्यावश्यक सेवाएं रुक जाएं, तो भारत ही ठप हो जाएगा! सॉफ्टवेयर डिवेलपमेंट और यूपीआई जैसे वित्तीय प्रौद्योगिकी सिस्टम बनाना हमारी क्षमताओं को बयां करते हैं। भारत चांद तक अपने अभियान की सफल यात्रा कर चुका है। हम 'आदित्य एल-1' अभियान के जरिए सूर्य का व्यापक अध्ययन कर रहे हैं। अंतरिक्ष में अनेक उपग्रह भेज चुके हैं। सॉफ्टवेयर के सर्वाधिक कुशल चेहरे हिंदुस्तान पैदा कर रहा है, जिनकी दुनिया भर में खूब मांग है। तो हम भारत का अपना ऑपरेटिंग सिस्टम, सर्वर, पूरी तरह लागू क्यों नहीं कर सकते। इतनी संवेदनशील सेवाओं के लिए हम 'पराश्रित' क्यों हैं? अब कुछ सवाल हैं, जो आने वाले वक्त में स्पष्ट होंगे। मसलन- माइक्रोसॉफ्ट की ग्राहक कंपनियां अपने घाटे की भरपाई कैसे करती हैं? क्या मूल कंपनी उन्हें मुआवजा देगी? क्या इस तरह का कोई अनुबंध है? यदि माइक्रोसॉफ्ट किसी भी किस्म का मुआवजा नहीं देती है, तो क्या उसे अदालत में घसीटा जा सकता है? क्या ग्राहक कंपनियों के पास ऐसे अधिकार हैं? दरअसल हम इसे माइक्रोसॉफ्ट की बुनियादी खामी मानते हैं, क्योंकि बाजार में उसी की प्राथमिक ख्याति है। 'क्राउडस्ट्राइक' से कंपनियों ने करार नहीं किया था। अलबत्ता वह माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ी कंपनी जरूर है। सवाल यह भी हो सकता है कि 'क्राउडस्ट्राइक' जो अपडेट कर रही थी, उसे जांचने का काम सिर्फ उसका था अथवा माइक्रोसॉफ्ट का भी था।

> दुनिया के 95 फीसदी से अधिक कम्प्यूटर माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम से ही चलते हैं। उनका भरोसा रहा है कि माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के सिस्टम में कभी गड़बड़ी नहीं होगी, लेकिन सिर्फ एक खामी ने दुनिया की सबसे ताकतवर कंपनी को बेनकाब कर दिया है। माइक्रोसॉफ्ट को साइबर सुरक्षा देने वाली कंपनी-क्राउडस्ट्राइक-के अपडेट के कारण यह खामी पैदा हुई या पूरे सिस्टम में ही गड़बड़ी आई, लेकिन पूरी दुनिया सहम-सी गई, असमंजस में पड़ गई कि अब क्या किया जाए? ऐसे सर्वर की विश्वव्यापी सेवाएं देने वाली कंपनी के पास कमोबेश वैकल्पिक योजना होनी चाहिए थी, लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने किसी 'प्लान बी' का इस्तेमाल नहीं किया। कंपनी सोचती रही कि साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक इस खामी को दुरुस्त करेगी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

दुनिया की निगाहों का मरकज बनाकर भारत पर रणनीतिक दबाव बनाना था

कारगिल के योद्धाओं को याद करे राष्ट्र

प्रताप सिंह पटियाल

> पाकिस्तान हमेशा कश्मीर को हथियाने के मंसूबे तैयार करता रहा है। मगर भारतीय सेना ने पाक हुक्मरानों की ख्वाहिशों का काफिला सरहद से आगे कभी नहीं बढने दिया। सन 1980 के दशक में पाक सेना के कर्नल 'जावेद अब्बास' 'आफिसर कमांड एंड स्टाफ कालेज' 'क्वेटा' में सेवारत थे। जावेद अब्बास को पाक सेना ने भारत पर एक रिसर्च प्रोजेक्ट 'इंडिया ए स्टडी इन प्रोफाइल' का काम सौंपा था। जावेद अब्बास ने अपने शोध में खुलासा किया था कि 'भारत के कुछ निजी मसलों का लाभ उठाकर हिंदोस्तान की ताकतवर सेना को कंट्रोल किया जा सकता है।

भारतीय सेना 26 जुलाई को कारगिल युद्ध की पच्चीसवीं वर्षगांठ मनाएगी। यह दिन पाकिस्तान के लिए शर्मिंदा करने वाली तारीख है। पाकिस्तान हमेशा कश्मीर को हथियाने के मंसूबे तैयार करता रहा है। मगर भारतीय सेना ने पाक हुक्मरानों की ख्वाहिशों का काफिला सरहद से आगे कभी नहीं बढने दिया। सन 1980 के दशक में पाक सेना के कर्नल 'जावेद अब्बास' 'आफिसर कमांड एंड स्टाफ कालेज' 'क्वेटा' में सेवारत थे। जावेद अब्बास को पाक सेना ने भारत पर एक रिसर्च प्रोजेक्ट 'इंडिया ए स्टडी इन प्रोफाइल' का काम सौंपा था। जावेद अब्बास ने अपने शोध में खुलासा किया था कि 'भारत के कुछ निजी मसलों का लाभ उठाकर हिंदोस्तान की ताकतवर सेना को कंट्रोल किया जा सकता है। सन 1990 के दशक में पाक सेना के 'सैन्य अभियान महानिदेशक' के पद पर आसीन परवेज मुशर्रफ जावेद अब्बास के उस शोध से इस कदर प्रभावित हुए कि कश्मीर को हथियाने का जहालत भरा मंसूबा तैयार करने लगे तथा 'डीजीएमओ' रहते कश्मीर मंसूबे का मश्विरा पाकिस्तान की तत्कालीन वजीरे आजम बेनजीर भुट्टो के समक्ष पेश कर डाला। हालांकि परवेज मुशर्रफ के उस प्रस्ताव को मोहतरमा ने नाकाबिले अमल करार देकर खारिज कर दिया था, लेकिन वक्त ने करवट ली।

सन1998 में पाक वजीरे आजम नवाज शरीफ ने पाक सेना के दो सीनियर जरनैलों को दरकिनार करके परवेज मुशर्रफ को पाकिस्तान का चार सितारा जरनैल नियुक्त कर दिया। नवाज शरीफ की जिंदगी की यह सबसे बड़ी भूल साबित हुई। 17 मई 1999 को जनरल परवेज मुशर्रफ ने पाक सेना के 'ओजड़ी कैंप' में वजीरे आजम नवाज शरीफ को कारगिल मंसूबे की ब्रीफिंग पेश करके कश्मीर का फातिम बनने का ख्वाब दिखाकर नियंत्रण रेखा के पार भारतीय हदूद में जाने की इजाजत लेने का ढोंग रचा था। जबकि हकीकत यह थी कि 18 हजार फीट की बुलंदी पर मौजूद कारगिल के दुर्गम क्षेत्रों में शीतकालीन स्थिति में भारतीय सेना जिन चौकियों को खाली कर देती थी, पाक सेना सन 1999 के शुरुआती दौर में ही एलओसी पार करके उन चौकियों पर रक्षात्मक किलेबंदी कर चुकी थी। यानी पाकिस्तान 21 फरवरी 1999 के लाहौर समझौते को नजरअंदाज करके

एलओसी पर मंसूबाबंदी को अंजाम दे चुका था। उस पेशकदमी के दौरान एवलांच की चपेट में आने से कई पाकिस्तानी सैनिकों की मौत भी हो गई थी। एलओसी पर सिविल लिबास में घुसपैठ कर चुके हजारों सैनिक पाकिस्तान की 'नार्दर्न लाइट इन्फैंट्री' तथा 'स्पेशल सर्विस ग्रुप' के थे। कारगिल के मंसूबे को पाक सेना ने आपरेशन 'कोह-ए-पैमा' का नाम दिया था जिसका मकसद कारगिल क्षेत्र पर कब्जा करके सियाचिन ग्लेशियर को भारतीय सेना की पहुंच से अलग करके कश्मीर मसले को आलमी सतह पर दुनिया की निगाहों का मरकज बनाकर भारत पर रणनीतिक दबाव बनाना था। तीन मई 1999 को स्थानीय चरवाहों ने कारगिल क्षेत्र में पाक घुसपैठ की खबर भारतीय सेना को दी। छह मई 1999 को तुर्तुक क्षेत्र में 'जाट रेजिमेंट' की गश्त पार्टी पर पाक सेना की एनएलआई ने घात लगाकर हमला कर दिया। भीषण गोलीबारी में लांस नायक 'खडग़ सिंह गुर्जर' वीरगति को प्राप्त हो गए। खडग़ सिंह कारगिल युद्ध के प्रथम बलिदानी थे।

आठ मई 1999 को द्रास सेक्टर में भारतीय सेना की 'ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट' के चार जवान तथा 13 मई 1999 को 'गढ़वाल राइफल्स' की पैट्रोलिंग पार्टी के भी चार जवान पाक सेना से मुठभेड़ में शहीद हो गए थे। 14 मई 1999 को पाक घुसपैठ का पता लगाने के लिए कैप्टन सौरभ कालिया के नेतृत्व में निकले गश्ती दल का कॉकसर क्षेत्र में पाक सेना से मुकाबला हुआ। सौरभ कालिया का गश्ती दल दुश्मन से आखिरी गोली तक लड़ा, मगर गोला बारूद खत्म होने के बाद उस गश्ती दल को हिरासत में लेकर पाक सेना ने उन सैनिकों की नृशंस हत्या कर दी थी। सौरभ कालिया के गश्ती दल को खोजने के लिए उनकी यूनिट 'चार जाट' का एक अन्य गश्ती दल 17 मई 1999 को कैप्टन अमित भारद्वाज के नेतृत्व में निकला। मगर पाक सेना से मुठभेड़ के दौरान कैप्टन अमित भारद्वाज सहित तीन अन्य जवान वीरगति को प्राप्त हो गए थे। उन शहीद सैनिकों के पार्थिव शव सीजफायर के बाद 56 दिनों के बाद उठाए गए थे। कारगिल के पहाड़ों पर पाकिस्तानी घुसपैठ का पर्दाफाश होने के बाद 19 मई तक कारगिल सेक्टर युद्ध क्षेत्र घोषित हो चुका था। भारतीय सेना ने 'आपरेशन विजय' लांच करके जब पूरी तजवीज से पलटवार किया तो कारगिल का महाज पाक सेना के लिए कयामत का मंजर पेश करने लगा। बटालिक सेक्टर में 17 हजार फीट की बुलंदी पर प्वांइट 5203 पर कब्जा जमा चुकी पाक फौज पर '12 जम्मू एंड कश्मीर लाइट इन्फैंट्री' के कैप्टन अमोल कालिया ने अपने सैन्य दल के साथ आठ जून 1999 को जोरदार हमला करके उस क्षेत्र को मुक्त कराने में अहम किरदार निभाया था, मगर आक्रामक कार्रवाई के दौरान अमोल कालिया अपने कई सैनिकों के साथ वीरगति को प्राप्त हो गए थे।

दुश्मन की भीषण गोलीबारी के कारण अमोल कालिया का पार्थिव शव भी बारह दिनों बाद 20 जून 1999 को बरामद किया गया था। युद्ध में उत्कृष्ट बहादुरी के लिए सेना ने हिमाचली शूरवीर कै. अमोल कालिया को 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) से नवाजा था। 'खालूबार' पर्वतीय श्रेणी पर स्थित प्वांइट 4812 पर भी '12 जैकलाई' के सात जवानों ने शहादत को गले लगाकर तीन जुलाई 1999 को कब्जा जमाया था तथा कारगिल जंग के जिंदा सबूत पाकिस्तानी सैनिक 'इनायत अली' को हिरासत में लिया था। भारतीय सेना के ऑपरेशन विजय के आगे पाक मिशन कोह-ए-पैमा पाक सेना के लिए इस कदर आत्मघाती साबित हुआ कि दुश्मन अपनी कयामत की दुआ मांगने पर मजबूर हो चुका था। बहरहाल कारगिल जंग में भारतीय शूरवीरों ने पाक सेना की तजवीज को नेस्तनाबूद करके पाकिस्तान के नामुराद जरनैलों की कश्मीर फतह करने की जंगी सनक को ध्वस्त कर दिया था। लाजिमी है विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्र कारगिल के योद्धाओं की दास्तान-ए-सुजात को नमन करे। देश अपने रणबांकुरों के शौर्य का हमेशा ऋणी रहेगा।

दृष्टि कोण

असहनीय गर्मी से बचाव हेतु बनें सरकारी नीतियां

पृथ्वी ने लगातार 13 महीनों तक तापमान के रिकॉर्ड तोड़े हैं। हर महीने तापमान पूर्व-औद्योगिक औसत से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार जून, 2023 से हर महीना अपने पिछले महीने से ज्यादा गर्म रहा है जिससे जुलाई, 2023 और जून, 2024 के बीच वैश्विक औसत तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के तापमान से (1.64 डिग्री सेल्सियस) ज्यादा हो गया है। नई रिपोर्ट तैयार करने वाली यूरोपियन यूनियन की कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के निदेशक कार्लो बुओनटेम्पो ने कहा कि यह सिर्फ सांख्यिकीय विषमता नहीं है। ये आंकड़े हमारी जलवायु में एक बड़े और निरंतर परिवर्तन को उजागर करते हैं। भले ही चरम सीमाओं का यह विशिष्ट सिलसिला किसी बिंदु पर समाप्त हो जाए, लेकिन जलवायु के गर्म होने के साथ-साथ हम नए रिकॉर्ड टूटते हुए देखेंगे। जब तक हम वायुमंडल और महासागरों में ग्रीनहाउस गैसों को जोड़ना बंद नहीं करते, यह सिलसिला जारी रहेगा। दुनिया ने इस साल गर्मी का रौद्र रूप देखा है। दक्षिणी और पूर्वी एशिया, दक्षिणी पश्चिमी अमेरिका, मध्य अमेरिका और दक्षिण-पूर्वी यूरोप सहित दुनिया के कई हिस्सों को अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह काफी हद तक ग्लोबल वार्मिंग का ही नतीजा है। उत्तरी भारत ने कई सप्ताह तक भीषण गर्मी झेली, जिसमें तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अत्यधिक गर्मी जानलेवा हो सकती है। मार्च में भारत में गर्मी शुरू होने के बाद साढ़े तीन महीनों के दौरान अनेक लोगों की जानें गईं। लू और गर्मी से मरने वालों की सही-सही संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गर्मी की वजह से 143 लोगों की मृत्यु हुई। लेकिन विभिन्न राज्यों से मिले आंकड़े बताते हैं कि हीट स्ट्रोक से मौत के पुष्ट और संदिग्ध मामले 400 से अधिक हैं। सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में हुईं जबकि पुष्ट मामलों में दिल्ली सबसे आगे रहा। भारत में इस साल गर्मी असाधारण रूप से असहनीय रही। पिछले सालों की तुलना में लू इस बार अधिक तीव्र रही। गर्म हवाओं की अवधि भी सामान्य से अधिक रही। इस बार न सिर्फ दिन बल्कि रातें भी अच्छी-खासी गर्म रहीं। दिल्ली में जून के महीने में एक दिन रात का न्यूनतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि पिछले 60 वर्षों में दर्ज सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। लंबे समय से चल रही गर्मी के कारण बिजली की खपत के रिकॉर्ड भी टूटे। पानी के संकट के कारण लोगों की कठिनाइयां और भी बढ़ गईं। भारत के अलावा दुनिया के दूसरे देशों में भी हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से कई मौतें हुईं। सबसे भयानक त्रासदी सऊदी अरब में हुई जहां 1300 से अधिक हाजियों ने भीषण गर्मी में दम तोड़ दिया। उन दिनों वहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा था। शोध से पता चलता है कि उत्तरी गोलार्ध में गर्मी की खतरनाक लहरों के पीछे मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है और आने वाले दशकों में दुनिया को ऐसे ही मौसम का सामना करना पड़ेगा। जीवाश्म ईंधन के निरंतर जलने से वायुमंडल में अधिक कार्बन का उत्सर्जन होता है, जिससे हवा सूर्य से आने वाली अधिक गर्मी को ट्रैप कर सकती है। इससे औसत वैश्विक तापमान बढ़ता है। दुनिया में तापमान वृद्धि की शुरुआत पश्चिमी देशों द्वारा कोयला और अन्य जीवाश्म ईंधन जलाने से हुई। वैज्ञानिक यह पता लगाने के लिए अध्ययन कर रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन ने किसी विशिष्ट गर्मी की लहर को कितना प्रभावित किया है। उन्होंने पिछले दशक में ऐसे सैकड़ों अध्ययन किए हैं, जिसमें कंप्यूटर सिमुलेशन के जरिए आज की मौसम प्रणालियों की तुलना की गई है। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि यदि पिछली सदी में मनुष्यों ने वायुमंडल की केमिस्ट्री को नहीं बदला होता तो आज मौसम कैसा व्यवहार करता। ग्लोबल वार्मिंग के अलावा, अन्य कारक और परिस्थितियां भी हीट वेव को प्रभावित कर सकती हैं। एल नीनो या ला नीना जैसी जलवायु प्रणालियां, क्षेत्रीय सर्कुलेशन पैटर्न के साथ-साथ एक बड़ा प्रभाव डाल सकती हैं। भूमि आवरण भी एक बड़ी भूमिका निभा सकता है, जिसमें अंधेरी सतह और निर्मित वातावरण परावर्तक सफेद सतहों या जंगलों या आर्द्र भूमि जैसी प्राकृतिक प्रणालियों की तुलना में अधिक गर्म होते हैं। जलवायु प्रणाली में भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका है। भूमि के इस्तेमाल में परिवर्तन से जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है। जलवायु परिवर्तन मानव स्वास्थ्य को संकट में डालने के अलावा प्राकृतिक प्रणालियों को भी प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से वर्षा, बाढ़ और समुद्री तूफान का पैटर्न बदल रहा है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। वैज्ञानिकों का निष्कर्ष यह है कि जलवायु परिवर्तन पहले से ही गर्मी की लहरों को अधिक गर्म बना रहा है।

कुछ अलग

आपके फोन में कौन झांक रहा

ऑफिस के हमारे एक सहयोगी काम खत्म कर घर जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि किसी अनजान नंबर से उन्हें वट्सऐप कॉल आया, जिस पर पुलिस इंस्पेक्टर की तस्वीर लगी हुई थी। कॉल करने वाले ने उनका नाम लेते हुए पूछा, आपके बेटे का नाम यह है? हां बोलने पर पूछा कि अभी कहां है वह? हमारे साथी ने कहा गुजरात, तो कॉलर ने तुरंत कहा कि हम गुजरात पुलिस से बोल रहे हैं। आपके बेटे और उसके तीन दोस्तों को हमने रेप केस में पकड़ा है। अभी हमने इस पर केस दर्ज नहीं किया है, आप बताएं, यहीं मामला सेटल करना है या इसे अंदर कर दें। बेटा कहां है पूछने पर कॉलर बोला, लो खुद उससे बात कर लो। उधर से एक लड़का रोते हुए बोलता है, पापा मुझे बचा लो। इससे आगे बात कराए बिना ही कॉलर फोन छीनते हुए बोलता है, देखो बाहिर मीडिया वाले खड़े हैं, पांच लाख देते हो तो यहीं केस खत्म कर देंगे। हमारे साथी ने पूछा कि गुजरात के किस थाने से बोल रहे हो, तो उनकी बात अनसुनी कर वह फोन पर ही सेटलमेंट करने की बात दोहराता रहा। चूंकि अखबार में हम हर रोज़ इस तरह की धोखाधड़ी की खबरें छापते रहते हैं, इसलिए हमारे साथी ऐसे फ्रॉड से वाकिफ तो थे, लेकिन फिर भी उन्हें एक बार लगा कि वाकई बेटा कहीं फंस न गया है। लेकिन जब बार-बार पूछने पर भी कॉलर ने नहीं बताया कि किस थाने से बोल रहा है तो इन्होंने फोन काट दिया। और झट से वडोदरा में पढ़ रहे अपने बेटे को फोन मिला दिया। बेटा अपनी क्लास में था तो वह फोन नहीं उठा पाया, पर पिता के कई फोन आने पर मेसेज कर दिया कि पापा क्लास में हूं, दस मिनट में फ्री होकर बात करता हूं। तब जाकर इनकी जान में जान आई। पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान के नंबर से इस तरह के कॉल कई लोगों को आ चुके हैं। हमारे साथी को तो आभास था कि यह स्पैम कॉल हो सकता है इसलिए वह ठग की बातों में नहीं आए। लेकिन हर कोई इस तरह हिम्मत नहीं कर पाता, खासकर जब ठग एआई के ज़रिए आपके बच्चे की आवाज़ सुनाकर डरा रहे हों। हाल के दिनों में डिजिटल अरेस्ट के ऐसे कई मामले आए हैं, जिनमें डर के मारे लोगों ने ठगों के खाते में पैसे भी ट्रांसफर कर दिए। ठग आपको फोन न काटने की धमकी देकर बैठाए रखते हैं और किसी को भी कॉल नहीं करने देते। इनके निशाने पर ऐसे लोग होते हैं, जिनके बच्चे किसी दूसरे शहर या देश में रहते हैं। इन ठगों को बस आपका और बच्चे का नाम पता होता है और यह कि वह कहीं बाहर है। पिछले हफ्ते हमारे एक परिजन को भी अनगिनत अनजान नंबरों से सैकड़ों स्पैम कॉल आए। सबमें अमेरिका में रहने वाली उनकी दोस्त को कॉन्फ्रेंस कॉल पर लाने की ज़िद कि वे लोन नहीं चुका रही हैं। ऐसा करने से मना करने और फोन काटने पर कॉलर धमकियों पर उतर आए कि बात नहीं कराई तो जीना मुश्किल कर देंगे। तीन दिनों में न जाने कितने नंबर ब्लॉक किए होंगे, लेकिन वो लोग अलग-अलग नंबरों से कॉल कर मानसिक प्रताड़ना देते रहे। सवाल यह है कि आखिर इन ठगों तक आपकी निजी जानकारी कहां से पहुंच रही है। दरअसल, हमारे फोन में बैंकिंग, शॉपिंग समेत ढेरों ऐप्स हैं। अपनी कॉन्टैक्ट लिस्ट और फोटोज़ तक पहुंच को मंजूरी दिए बिना हम इन पर आगे बढ़ ही नहीं सकते। ज़ाहिर है डेटा वहीं से लीक हो रहा है। ऐसे कई मामले आ चुके हैं, जिनमें ठगों ने किसी बैंककर्मी को साथ मिलाकर उससे अकाउंट होल्डर्स की डिटेल निकलवा लीं। हाल में दुनियाभर के 10 अरब से अधिक पासवर्ड लीक होने की खबर आई थी। पिछले साल एक अमेरिकी फर्म ने दावा किया था कि भारत के करीब 82 करोड़ लोगों का डेटा लीक हुआ है।

देश दुनीया से

प्रवासी भारतवंशियों की जटिल दास्तां

> ट्रंप स्वयं अपनी आवाज़ तमाम अमेरिका की बताना चाह रहे हैं, न कि केवल आधे रिपब्लिकनों की। खुद वेंस, जो कभी ट्रंप को 'कल्चरल हिरोइन' कहा करते थे, अब उप-राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप की प्राथमिकता बन चुके हैं। और फिर दूसरी ओर कमला हैरिस तो हैं ही। यदि जो बाइडेन ने खुद को राष्ट्रपति पद की दौड़ से अलग किया, जैसा कि इस सप्ताह होने की उम्मीद है, तो क्या बिसराने लायक किंतु महत्वपूर्ण कमला हैरिस उनकी जगह लेंगी या फिर डेमोक्रेट पार्टी नेतृत्व करने के लिए कोई नया नेता ढूंढ़ लेगी। जो लोग भारत में भारतीय-अमेरिकियों की बढ़ती महत्ता को लेकर खुश हो रहे हैं कि वे ताकत के ठीक केंद्र बिंदु में होंगे– तो तथ्य यह है कि अमेरिका में कमला हैरिस को बतौर एक 'भूरी' नहीं 'काली' की तरह लिया जाता है।

लगता है ऊषा चिलुकुरी वेंस पर लिख-लिखकर न्यूयॉर्क टाइम्स का दिल नहीं भर रहा। बात चाहे उनकी गैर-डिज़ाइनर पोशाकों की हो या वो चौरस हील पहनती हैं या फिर उनके बाल काले हैं जिसमें सफेद बालों की लटें साफ दिखाई पड़ती हैं– वास्तव में, पिछले पूरे हफ्ते उनके स्वरूप को लेकर चर्चाएं चलीं जब अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में उनके पति जेडी वेंस ने डोनल्ड ट्रंप को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाए जाने की पेशकश को स्वीकार किया। उत्साह में आकर बहुत पुराने इस अख़बार ने तो उन्हें विश्व की भावी दूसरी सबसे ताकतवर महिला तक बता डाला। किंतु वे ट्रंप की पत्नी की तरह नहीं हैं, जो अपना पूरा वक्त 'मर्दों की नज़रें पाने' के लिए सजने संवरने में लगाती हैं। व्यावसायिक लिहाज से ऊषा की उपलब्धि कम रोचक नहीं है, वे सान फ्रेंसिस्को की एक वकालत कंपनी 'कूल, वॉक' में कार्यरत हैं। जेडी वेंस से उनकी भेंट येल यूनिवर्सिटी में हुई और आगे चलकर कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में उन्हें गेट्स फेलोशिप मिली। वर्ष 2014 तक, वे बतौर एक डेमोक्रेट पंजीकृत थीं। वेंस से उनकी शादी को तब सात साल हो चुके थे जब उन्होंने 2021 में 'यूनिवर्सिटीस आर द एनिमी' शीर्षक वाला भाषण दिया था। अमेरिका में इन दिनों मतदाताओं का रुझान काफी बदल रहा है, वे पहले की तरह लाल (रिपब्लिकन पार्टी का रंग) और नीला (डेमोक्रेटिक दल का सूचक) से बंधे नहीं हैं। ट्रंप स्वयं अपनी आवाज़ तमाम अमेरिका की बताना चाह रहे हैं, न कि केवल आधे रिपब्लिकनों की। खुद वेंस, जो कभी ट्रंप को 'कल्चरल हिरोइन' कहा करते थे, अब उप-राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप की प्राथमिकता बन चुके हैं। और फिर दूसरी ओर कमला हैरिस तो हैं ही। यदि जो बाइडेन ने खुद को राष्ट्रपति पद की दौड़ से अलग किया, जैसा कि इस सप्ताह होने की उम्मीद है, तो क्या बिसराने लायक किंतु महत्वपूर्ण कमला हैरिस उनकी जगह लेंगी या फिर डेमोक्रेट पार्टी नेतृत्व करने के लिए कोई नया नेता ढूंढ़ लेगी। जो लोग भारत में भारतीय-अमेरिकियों की बढ़ती महत्ता को लेकर खुश हो रहे हैं कि वे ताकत के ठीक केंद्र बिंदु में होंगे– तो तथ्य यह है कि अमेरिका में कमला हैरिस को बतौर एक 'भूरी' नहीं 'काली' की तरह लिया जाता है। ऊषा के मामले में भी, जो आज भी हिंदू और शाकाहारी हैं, इस बात की संभावना बहुत कम है कि अपने पति को भारत के पक्ष में नीतियां बदलने को राज़ी कर पाएंगी, भले ही एक समय उनके दादा के सगे छोटे भाई आंध्र प्रदेश में आरएसएस इकाई के प्रदेशाध्यक्ष रहे हों। चंडीगढ़ियों की आम बोली में कहें तो ये लोग नारियल की तरह हैं– बाहर से भूरे दिखते हैं, अंदर से हैं सफेद! आपको एक दलीप सिंह याद हैं? दो साल पहले वे अमेरिका के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे– वे उन दलीप सिंह सौंध के भाई के पोते हैं, जो अमेरिका की संसद में पहली बार चुने जाने वाले भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक थे– उन्होंने मोदी सरकार को दोटूक चेतावनी दी थी कि यदि भारत ने यूक्रेन पर रूसी चढ़ाई के संदर्भ में लगाए अमेरिकी प्रतिबंधों को नहीं माना और रूस से सस्ती दर पर तेल खरीदने की कोशिश की, तो इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। तब दलीप सिंह के इन बोलों को लेकर भारत वाकई असहज हुआ था। भारतीय अधिकारियों को अमेरिकियों को कहना पड़ा कि यदि उन्हें बेलाग बोलना है, तो बंद कमरे में कहा करें। इस हिसाब से दलीप सिंह को वाकई उच्च गुणवत्ता वाला नारियल कहा जा सकता है– चेहरे-मोहरे से अपने लोगों जैसा किंतु उनके प्रति संवेदना-शून्य। बेशक हमें भारतीय मूल के अनिवासियों की उपलब्धि पर खुश होना चाहिए– यह स्वाभाविक भी है। जब 1917 में एशियाटिक बार्ड ज़ोन एक्ट बनाकर अमेरिका में भारतीयों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया था। पिछले कोई 100 सालों में अमेरिका में बाहर से आकर बसने वालों से भारतवंशी सबसे अधिक सफल समुदाय है। जिनकी गिनती लगभग 50 लाख है। एक्स एप्प पर दरैबिटहोल 84 नामक हैंडल की एक पोस्ट बताती है कि भारतीय मूल के अमेरिकी परिवार की औसत वार्षिक आय 119,858 डॉलर है, जो कि किसी भी अन्य एशियाई समुदाय में सबसे अधिक है, फिर चाहे यह चीनी, जापानी और पाकिस्तानी क्यों न हों। खुद एलन मस्क ने इस पोस्ट को आगे शेयर किया है। आज अल्फाबेट के सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला अमेरिका की सबसे बड़ी 10 बड़ी कंपनियों में से दो के सर्वेसर्वा हैं। भारतीय मूल के अनिवासी समुदाय की कहानी जटिल है। मूल मातृभूमि के प्रति प्यार और चाव 'परदेस' में भी सदा बना रहता है, हालांकि 'देस' में भी उन्होंने अपने समृद्ध पांव अच्छी तरह जमा रखे हैं।

आप का नजरीया

पहाड़ी बोलियां खत्म हो जाएंगी

बोलियों में छुपा क्षेत्रवाद दाल माश को धाम में बांट देता है जहां, वहां राज्य की तासीर में टापुओं के धंसने का खतरा है बरकरार। जिस संस्कृति, बोली, भाषा, खान-पान, सादगी व पहाड़ीपन के साथ मिल कर हम एक हुए, हिमाचल की अस्मिता दिखी, वह अब भुरभुरा रहे अनेक टीलों पर सवार है। मराठी कलाकार के रूप में हिंदी के सुप्रिसद्ध एक्टर नाना पाटेकर को अगर अपने सुकून के लिए मराठी थियेटर और मराठी फिल्म में लौटना पड़ता है, तो इस सांस्कृतिक उजास को सलाम। महाराष्ट्र में कुल 38 जिले हैं और करीब इतनी ही बोलियां हैं जिनके सेतु पर मराठी भाषा का उद्भव, प्रभाव, साहित्य और संप्रेषण विकसित होता है। भले ही बालीवुड मुंबई को मुंबइया हिंदी भाषा देता है, लेकिन यह प्रदेश अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मराठी की एकरूपता में सराबोर रखता है। इसी तरह गुजरात ने ग्यारह अलग-अलग बोलियों से गुजराती भाषा से जुड़ा एक प्रगतिशील भूगोल और भाषाई संबल चुन लिया। बांग्ला के उद्भव में प. बंगाल की पांच, तो मलयालम ने भी कमोबेश इतनी ही बोलियों के संगम पर केरल की अभिव्यक्ति को राष्ट्रीय फलक पर सजा दिया। हर राज्य ने बोलियों को विस्मृत होने से बचाने के लिए भाषाई संगठन से राज्य की भाषा का सांस्कृतिक चेहरा व ओज प्रकट किया। इसके विपरीत हिमाचली भाषा की जरूरत में क्षेत्रवाद के दर्पण टकराने लगते हैं और भय यह कि कहीं सियासत का यह दंभ टूट न जाए। यह इसलिए भी कि सृजन में पाखंड और ऐसे तत्वों का समावेश है जिनका दायरा दस से बीस किलोमीटर तक ही सिमट गया है। हिमाचल की आठ बोलियों से निकली सांस्कृतिक विरासत से अगर पंजाबी भाषा को संपन्नता मिलती है या जम्मू-कश्मीर की डोगरी में हिमाचल की दो से तीन बोलियां समाहित हैं, तो यह समझना होगा कि हिमाचली भाषा के कितनी नजदीक दो भाषाएं पहले ही समृद्ध हैं। स्वयं हिंदी भी, जिसे ओढक़र हिमाचल स्वयं को हिंदी राज्यों की श्रेणी में देखता है, अठारह बोलियों और पांच उप भाषाओं के गठजोड़ से पारंगत होती है। तेरह प्रमुख बोलियों और उप बोलियों के सामथ्र्य व समर्थन का सांस्कृतिक महत्त्व को स्वीकार करें तो जिस सेतु ने हिमाचल का अस्तित्व, पूर्ण राज्यत्व तथा सांस्कृतिक पहचान को जोड़ा, वही भावना एक हिमाचली भाषा में परिलक्षित हो रही है। अन्यथा जिन्हें बोली कह रहे हैं, उनके भीतर भी तो उप बोलियों की खाद जुड़ी है। मसलन कुल्लवी के भीतर सिराजी सैंजी और कुल्लवी का जिक्र अलग-अलग कर दिया जाए तो बचेगा क्या। शिमला में फिर क्योंथली, कोच्ची व बरारी में हम कितने जिले खोजेंगे, जबकि हकीकत में हमें हिंदी राज्यों के साथ नत्थी करके तत्कालीन मुख्यमंत्री शांता कुमार ने हिमाचल के भाषाई सरोकारों को चोट पहुंचा दी है। अब केवल तर्क के लिए भाषाई कोस मापे व कोष समझे जाते हैं, जबकि यथार्थ यह है कि आने वाली पीढियां धीरे-धीरे अपनी सांस्कृतिक विरासत का अर्थ भूल जाएंगी। हम हिमाचल के खान-पान में एक धाम को विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग बांट कर शौर्य अर्जित करना चाहते हैं, जबकि सीने पर फास्टफूड का कूड़ा लटका हुआ है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी के सिद्धांतों को अपनाकर ही पूरा किया जा सकेगा विकसित भारत का सपना : इन्द्रेश कुमार

हिसार (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा है कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना दत्तोपंत ठेंगड़ी के सिद्धांतों को अपनाकर ही पूरा किया जा सकेगा। इन्द्रेश कुमार मंगलवार को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय में महान अर्थशास्त्री दत्तोपंत ठेंगड़ी के निमित प्रेरणास्रोत पीठ (चेयर) की स्थापना के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन सचिव पवन कुमार व कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने की। इस मौके पर डॉ. इन्द्रेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित पीठ कदाचित देश में अपनी तरह की पहली पीठ है। इस पीठ के माध्यम से शोधार्थी दत्तोपंत ठेंगड़ी के आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय सिद्धांतों का मूल्यांकन, विश्लेषण तथा उन पर शोध करके राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देंगे। उन्होंने इस पीठ के उद्देश्यों की सफलता के लिए विश्वविद्यालय को

शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संगठन सचिव पवन कुमार ने भारतीय मजदूर संघ के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन 23 जुलाई 1955 को दत्तोपंत ठेंगड़ी ने भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की थी। यह गैर-पंजीकृत लेकिन मान्यता प्राप्त संगठन है, जिससे छह हजार से ज्यादा यूनियन जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि भारत में कुल लगभग 50 करोड़ मजदूर व कर्मचारी हैं। इसमें से केवल सात प्रतिशत ही संगठित क्षेत्र में काम कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में मजदूरों का शोषण होता है। दत्तोपंत ठेंगड़ी के सिद्धांतों पर चलकर इस शोषण को रोका जा सकता है। इस शोध पीठ में शोधार्थी ठेंगड़ी के मानव, समाज व राष्ट्र उपयोगी सिद्धांतों पर नए शोध करेंगे। उन्होंने बताया कि ठेंगड़ी के विचार उनकी पुस्तकों में झलकते हैं, जिससे पता चलता है कि राष्ट्र उनके सिद्धांतों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है। ठेंगड़ी के सिद्धांत, उनके विचार व उनका दृष्टिकोण आज और भी अधिक प्रासांगिक है। उनके सिद्धांत हमारे देश के आर्थिक व सामाजिक निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं। इस मौके पर कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि सबका साथ सबका विकास तथा वोकल फोर लोकल जैसे अभियान ठेंगड़ी के सिद्धांतों की ही देन हैं। राष्ट्रवाद को प्राथमिकता देने वाले दत्तोपंत ठेंगड़ी का विनिवेश योजना का सिद्धांत अत्यंत प्रभावशाली है। ठेंगड़ी ने स्वदेशी जागरण मंच की स्थापना भी की थी। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग तथा अन्य उपलब्धियों के बारे में भी बताया। कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद किया। डा. इंद्रेश कुमार ने विश्वविद्यालय के गुरु जम्भेश्वर महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान परिसर में पौधारोपण भी किया। इस उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय में एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक सदस्यों (अनुसूचित जाति वर्ग) ने डॉ. इंद्रेश कुमार को सम्मानित किया गया।

पूर्ववर्ती सरकार ने गत पांच साल में प्रदेश पर कर्ज का भार दोगुना किया

जयपुर (हिंस)। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजु बाघमार ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने गत पांच साल में प्रदेश पर कर्ज का भार दो गुना कर दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से 31 मार्च 2018 तक राज्य में कुल ऋण एवं अन्य देनदारियां 2 लाख 81 हजार 182 करोड़ रुपए था। पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2023-24 में यह ऋण भार दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 5 लाख 70 हजार 646 करोड़ रुपए हो गया। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का वित्त मंत्री की ओर से जवाब दे रही थीं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्ष 1951 से लेकर वर्ष 2017-18 तक 67 सालों के दौरान जितना कर्ज नहीं लिया गया, उससे ज्यादा पूर्ववर्ती सरकार ने पिछले पांच साल में लेकर प्रदेश पर 2 लाख 89 हजार 464 करोड़ रुपए ऋण का भार बढ़ा दिया। इसके कारण राज्य सरकार के ब्याज भुगतान में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है। डॉ. बाघमार ने बताया कि वर्ष 2017-18 में ऋण जीएसडीपी अनुपात 33.77 प्रतिशत था, जो पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2023-24 में लगभग 4 प्रतिशत बढ़कर 37.44 प्रतिशत हो गया। वर्तमान सरकार द्वारा इस वर्ष बजट में ऋण जीएसडीपी अनुपात में कमी करते हुए इसे 35.97 प्रतिशत तक सीमित रखने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 के परिवर्तित अनुमानों के अनुसार कुल ऋण व दायित्व 6 लाख 40 हजार 687 करोड़ 27 लाख रुपए होना अनुमानित है। साथ ही एफआरबीएम अधिनियम 2005 के अनुसार इसे जीएसडीपी का 38.20 प्रतिशत तक लाया जाना वांछित है। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए कृत संकल्पित है। इस वित्त वर्ष में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 27 हजार 660 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इससे पहले विधायक संदीप शर्मा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2018-19 में वर्ष के अंत में बकाया लोकऋण 233238.88 करोड़ रुपए था, जिसके लिए कुल 34677.47 करोड़ रुपए लोक ऋण व लोकऋण पर ब्याज के रूप में चुकाए गए। वर्ष 2019-20 के अंत में 259379.91 करोड़ रुपए लोकऋण के विरुद्ध कुल 39222.77 करोड़ रुपए चुकाए गए। वर्ष 2020-21 के अंत तक 308320.93 करोड़ रुपए का लोकऋण था, जिसके लिए कुल 61686.83 करोड़ रुपए की राशि लोकऋण व लोकऋण पर ब्याज के रूप में चुकाई गई। इसी प्रकार वर्ष 2021-22 के अंत तक बकाया लोकऋण 353556.07 करोड़ रुपए था तथा कुल 79139.78 करोड़ रुपए लोकऋण तथा ब्याज चुकाया गया। वर्ष 2022-23 के अंत में 388383.87 करोड़ रुपए के लोकऋण के एवज में कुल 151056.57 करोड़ रुपए चुकाए गये। वर्ष 2023-24 (रिवाइज्ड एस्टीमेट) के अंत तक 443767.37 लोक ऋण था तथा लोकऋण व ब्याज की राशि के रूप में कुल 202195.77 करोड़ रुपए चुकाए गए।

केंद्रीय बजट में जम्मू-कश्मीर का हिस्सा 1.2 प्रतिशत बढ़ा, 42, 277.74 करोड़ रुपए आवंटित

जम्मू (हिंस)। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट में जम्मू-कश्मीर को 42, 277.74 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वित्तीय वर्ष में केंद्र शासित प्रदेश को दिए गए 41, 751.44 करोड़ रुपए से 1.2 प्रतिशत की मामूली वृद्धि है। मंगलवार को लोकसभा में पेश किए गए बजट में जम्मू-कश्मीर में संसाधन की कमी को पूरा करने के लिए केंद्र शासित प्रदेशों को केंद्रीय सहायता के रूप में 40, 619.3 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। बजट में कहा गया है कि इसमें भारत की आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में स्वीकृत 7, 900 करोड़ रुपए की राशि भी शामिल है। सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं के लिए व्यय को पूरा करने के लिए जम्मू और कश्मीर को 279 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। बजट में केंद्र शासित प्रदेश को 624 मेगावाट की किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (एचईपी) के लिए इक्विटी योगदान के लिए 130 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

हनी ट्रैप केस में फंसाने की धमकी देकर होटल मैनेजर से ठगे चार लाख

जयपुर (हिंस)। आमेर थाना इलाके में होटल मैनेजर को ब्लैकमेल कर एक महिला द्वारा चार लाख रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है। पीड़ित मैनेजर का आरोप है कि रुपए वसूली के लिए इंस्टाग्राम पर पोस्ट डालकर ब्लैकमेल कर हनी ट्रेप केस में फंसाने की धमकी देकर रुपए वसूलना शुरू किया। इस संबंध में पीड़ित होटल मैनेजर ने थाने में आरोपी महिला खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है। थानाधिकारी अंतिम शर्मा ने बताया कि विद्याधर नगर निवासी 33 वर्षीय युवक ने मामला दर्ज करवाया है कि वह आमेर इलाके में स्थित एक होटल में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। पिछले आठ महीने पहले ही होटल में गेस्ट रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर महिला ने ज्वाइन किया था। एक साथ जॉब करने के कारण दोनों में बातचीत होने गई। बातचीत के दौरान आरोपी महिला मित्र ने उसे प्यार के जाल में फांस लिया। जरुरत बताकर दस-बीस हजार रुपए ऐंठने लगी। बार-बार रुपयों की डिमांड से परेशान होकर पैसे देने से मना कर दिया। रुपए मिलना बंद होते ही महिला के तेवर बदल गए। वह सोशल मीडिया पर बदनाम करने की धमकी देने लगी। उसकी पत्नी को बताने के साथ ही हनी ट्रैप केस में फंसा कर जिदंगी बर्बाद करने की धमकी देती। होटल मालिक से शिकायत करने पर महिला ने अपनी गलती मानकर लिखित मे माफी मांगी। कुछ दिन बाद दोबारा से बदनाम करने की धमकी देने पर होटल मालिक ने उसे नौकरी से निकाल दिया। वहीं दस दिन बाद इंस्टाग्राम पर उसकी फोटो के साथ आपत्तिजनक बात लिखकर पोस्ट की। महिला ने कॉल कर बोला कि अभी तो बदनाम कर रही है, फिर दुष्कर्म का केस लगाएगी। वॉट्सऐप कॉल कर लगातार धमकी देकर तीन लाख रुपए की डिमांड की। रुपए देने पर पोस्ट डिलीट कर कोई कार्रवाई नहीं करने की कहा और छह जुलाई को रुपए लेने के बाद आरोपी महिला अपने साथी पुष्पेन्द्र के साथ फ्लाइट से चंडीगढ़ चली गई।

नागरिक अस्पताल के फार्मेसी आफिसर पेन डाउन हड़ताल पर, मरीज परेशान

फतेहाबाद (हिंस)। फतेहाबाद में नागरिक अस्पताल के फार्मेसी ऑफिसर सोमवार को एक घंटे की पेन डाउन हड़ताल पर रहे। फार्मेसी ऑफिसर ने मांगों को लेकर मंगलवार को अस्पताल में रोष प्रदर्शन किया। फार्मेसी ऑफिसर के एक घंटे कामकाज ठप्प रखने से काउंटर बंद रहे और मरीजों को परेशानी का सामने करना पड़ा। फार्मेसी ऑफिसर ने कहा कि अगर सरकार मांगें नहीं मानती है, तो 26 जुलाई को सामूहिक अवकाश पर जाएंगे और इसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया जाएगा। फार्मेसी ऑफिसर एसोसिएशन के जिला प्रधान कृष्ण बिश्नोई ने कहा कि पे ग्रेड बढ़ाने, रिक्त पदों को भरने व अन्य मांगों को लेकर फार्मेसी ऑफिसर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। मांगों को लेकर पहले भी अधिकारियों को ज्ञापन दिया जा चुका है, लेकिन सरकार ध्यान नहीं दे रही। फार्मेसी ऑफिसर एसोसिएशन की मांग है कि पे स्केल 4600 किया जाए। रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाए। उन्होंने कहा कि अगर जिला फतेहाबाद की बात की जाए तो यहां पर फार्मेसी ऑफिसर के 60 पद हैं और 34 खाली हैं।

रामनिवास बाग से ईदगाह तक 7 किमी में हटाए अवैध अतिक्रमण

जयपुर (हिंस)। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते द्वारा मंगलवार को रामनिवास बाग से ईदगाह तक कार्रवाई कर 7 किमी में अवैध अतिक्रमण हटाए गए। जोन-1, 2 और 10 में रामनिवास बाग से घाटगेट आगरा रोड घाट की घूणी, ट्रान्सपोर्ट नगर, दिल्ली बाइपास रोड और ईदगाह तक रोड के दोनों तरफ करीब 7 किमी तक अवैध निर्माण हटाए गए। जोन-5 और पीआरएन नोर्थ में ओम होटल से 200 फीट बायपास होते हुए पुरानी चुंगी अजमेर रोड तक के एरिया में करीब 140 अतिक्रमणों को हटवाया। 15 जुलाई से शुरू अभियान के तहत अब तक 1285

अवैध कब्जों-अतिक्रमणों को हटवा कर आमजन की राह को आसाना बनाया गया है। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि सामूहिक अभियान के तहत रामनिवास बाग से घाटगेट आगरा रोड घाट की घूणी, ट्रान्सपोर्ट नगर दिल्ली बायपास रोड ईदगाह तक रोड के दोनों तरफ करीब 7 किमी तक के दायरे में दुकानों, मकानों के आगे अत्यधिक लंबाई में बने चबुतरें, सीढ़ियां, बाउंड्रीवाल, लोहे के एंगिल टीनशेड, सीमेन्ट के पिलर, बांस तम्बू तिरपाल की झुग्गी झोंपडी, लगाए गए चाय, नाश्ते की थडियां, ठेलें, रेलिंग, टेबल कुर्सियां, होर्डिंग-साइन बोर्ड इत्यादि द्वारा किए गए लगभग 120 स्थाई-अस्थाई अतिक्रमणों को हटाया गया। वहीं ओम होटल से 200 फीट वाईपास होते हुए पुरानी चुंगी अजमेर रोड तक के दायरे में दुकानों, मकानों के आगे से 140 स्थाई-अस्थाई अतिक्रमणों को हटाया गया।

केंद्र बजट में महंगाई व बेरोजगारी से कोई राहत नहीं : सचिन पायलट

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वित्त मंत्री ने बजट में अनेक प्रदेशों की योजनाओं का उल्लेख किया परन्तु राजस्थान की ईआरसीपी और यमुना लिंक योजनाओं के लिए कोई घोषणा नहीं की जो कि प्रदेश की जनता के साथ छलावा है जबकि केंद्र के मंत्री ने अपनी मौजूदगी में मध्यप्रदेश और हरियाणा के साथ एमओयू करवाए थे। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने इस बजट को रोजगारोन्मुखी बताने का प्रयास किया है जो कि दर्शाता है कि भाजपा सरकार ने यह स्वीकार कर लिया है कि बेरोजगारी चरम पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि बजट में दिखाए गए कदमों से बेरोजगारी कम नहीं होने वाली क्योंकि निम्न और निम्न मध्यम वर्ग में महंगाई के कारण खपत बढ़ नहीं पा रही है। सरकार को हर हालत में सरकारी पूंजीगत व्यय को और बढ़ाने पर जोर देना होगा। पायलट ने कहा कि केंद्र सरकार के अधीन चल रहे लगभग 10 लाख रिक्त पदों को भरने को लेकर भी वित्त मंत्री बजट में चुप्पी साधे रखी जो साबित करता है कि सरकार बेरोजगारों को केवल निजी क्षेत्र की ओर धकेलना चाहती है।

एक्शन में सीएम योगी, लापरवाह पांच एडीएम एफआर और तीन एसडीएम से जवाब तलब

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने प्रदेश में विभिन्न आपदाओं में हुई जनहानि एवं क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा देने में लापरवाही करने वाले छह से ज्यादा अधिकारियों से जवाब तलब किया है। इसमें पांच जिलों के एडीएम एफआर को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है, जबकि तीन एसडीएम से स्पष्टीकरण मांगा गया है। बाढ़ संबंधी कार्यों में लापरवाही पर कानपुर देहात के आपदा विशेषज्ञ को निलंबित कर दिया। सीएम योगी ने सभी लापरवाह अधिकारियों को दो दिनों में अपना स्पष्टीकरण शासन को सौंपने के निर्देश दिए हैं। अगर जवाब संतोषजनक नहीं हुआ तो सीएम योगी सख्त कार्रवाई कर सकते हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश है कि आपदा से हुई जनहानि का मुआवजा 24 घंटे के अंदर प्रदान किया जाए। इन लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश भर में आपदा से हुई जनहानि का सर्वे पूरा कर 24 घंटे में मुआवजा दिया जा रहा है। वहीं इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

केंद्र सरकार ने बिहार को जो दिया उसका डंका बजा : विजय चौधरी

पटना (हिंस)। केंद्र सरकार ने बिहार के लिए खजाना खोल दिया है। बजट में बिहार के लिए स्पेशल व्यवस्था की गई है। इस मसले पर नीतीश सरकार ने विधानसभा में अपनी बात रखी। विधानसभा की कार्रवाई भोजनावकाश के बाद जैसे ही शुरू हुई सरकार की तरफ से संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी खड़े हुए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने बिहार को जो दिया उसका डंका बज रहा है। आज तक इतनी मदद नहीं मिली थी। विजय चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता खुशी से झूम रही है। विपक्षी सदस्यों पर तंज कसते हुए मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि आपकी यह बेचैनी ही कुछ कह रही है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि प्रश्नकाल के दौरान ही हमने कहा था कि विपक्ष को जो भी कहना है कहे, सरकार उस पर अपनी बात रखेगी। कांग्रेस नेता पर तंज कसते हुए विजय चौधरी ने कहा कि शकील साहब झुनझुना लेकर आए थे। झुनझुना अब पॉकेट में चला गया। यदि बिहार के हित में सदस्यों को सही मायने में रुचि है तो पूरा सदन केंद्र और प्रधानमंत्री के प्रति आभार प्रकट करे। क्योंकि, जितनी मदद बिहार को दिया गया, इतिहास में इतना कभी नहीं दिया गया था। चौधरी ने कहा कि विपक्ष को बिहार के विकास से मतलब नहीं है। केंद्र सरकार ने हर क्षेत्र में चाहे सड़क हो या अस्पताल, हवाई अड्डा, सिंचाई हो या बाढ़, सबमें अद्वितीय मदद की है। इसलिए बिहार सरकार की तरफ से और सदन की तरफ से केंद्र और प्रधानमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हैं। विजय चौधरी ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बिहार के लिए केंद्र सरकार के भंडार खोल दिए हैं। काशी की तर्ज पर महाबोधि और विष्णुपद कॉरिडोर का होगा विकास। बिहार में बाढ़ रोकने को लेकर भी काम करने की घोषणा की गई है। बाढ़ आपदा को लेकर 11, 500 करोड़ का प्रस्ताव किया

गया है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा में मोदी सरकार ने तीसरे कार्यकाल का बजट पेश किया। बिहार के लिए भी कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की गई है। वित्त मंत्री ने बिहार में सड़कों के लिए 26, 000 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। तीन एक्सप्रेस-वे बनेंगे। पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस वे, वैशाली -बोधगया एक्सप्रेस वे और बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस बनाने की घोषणा की गई है। बक्सर में गंगा नदी पर पुल बनाने की भी घोषणा की गई है। इसके अलावा नए मेडिकल कॉलेज और हवाईअड्डा बनाए जाएंगे। स्पोर्टस को बढ़ावा देने पर काम होगा। भागलपुर के पीरपैंती में 21 हजार 400 करोड़ की लागत से 2002 मेगावाट का पावर प्लांट लगेगा। गया में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने की बात कही गई है। इससे पूर्वी क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। गया के विष्णुपद मंदिर और बोधगया के महाबोधी मंदिर का काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर विकास किया जायेगा। नालंदा को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने में केंद्र सरकार मदद करेगी। राजगीर को पर्यटन क्षेत्र के रूप में और विकसित किया जायेगा। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि बिहार सरकार ने जो आग्रह किया है, उसके अनुरूप केंद्र हर संभव मदद करेगा।

जयपुर में बढ़ रहा है क्राउडफंडिंग का चलन, मिलाप ने जरूरमंदों के लिए जुटाए 32.2 करोड़

जयपुर (हिंस)। जयपुर में जरुरत के समय क्राउडफंडिंग का चलन बढ़ रहा है। गैर सरकारी संस्था मिलाप ने राजस्थान में 22 हजार से अधिक फंडरेजर्स की सुविधा उपलब्ध कराई, जिससे 32.2 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जुटी। मिलाप का प्लेफॉर्म नि:शुल्क और यूजर-फ्रेंडली है, जो आपात स्थिति के दौरान लोगों के लिए तेजी से फंड जुटाता है। मिलाप ने मंगलवार को शहर में एक कार्यक्रम के दौरान लोगों को जागरूक किया और क्राउडफंडिंग अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। ऑर्गेनाइजेशन की वाइस प्रेसिडेंट मान्या शर्मा ने कहा कि यह देखना वास्तव में प्रेरणादायक है कि वर्तमान डिजिटल क्रांति के कारण लोग किस प्रकार अपनी कम्यूनिटी के भीतर और उससे परे एक-दूसरे की मदद करने के लिए आगे आ रहे हैं। इससे भी अधिक प्रसन्नता की बात यह है कि सहायता का प्रत्येक कार्य, चाहे दान का आकार कुछ भी हो, एक गहरा अंतर ला सकता है। कभी-कभी तो व्यक्तियों और उनके परिवारों को जीवन का दूसरा मौका भी मिल सकता है। हमारी 14 वर्ष की लंबी यात्रा लोगों की मदद करने की सच्ची मंशा, उनकी दयालुता और सामूहिक प्रोत्साहन को दर्शाती है, जो इस मूवनेंट को आगे बढ़ाता है।

उन्होंने आगे बताया कि जयपुर ने क्राउडफंडिंग को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब तक शहर के 2, 500 फंडरेजर्स ने 17 करोड़ रुपए जुटाए हैं। यह राशि राजस्थान में गंभीर और उच्च स्तरीय देखभाल के लिए 6, 600 फंडरेजर्स से जुटाई गई कुल 22 करोड़ रुपए की राशि में से है। हम अधिक से अधिक लोगों को क्राउडफंडिंग को अपनाने और जरूरत के समय मदद लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इस कार्यक्रम में राजस्थान के लाभार्थी और कैम्पेन आयोजक एकत्रित हुए, जिन्होंने मिलाप के माध्यम से सफलतापूर्वक धन जुटाया है, ताकि जागरूकता पैदा की जा सके और अपनी व्यक्तिगत यात्रा और अनुभव साझा किए जा सकें। शहर से मिलाप कैम्पेन के आयोजक, अधिराज सिंह ने अपने डोमेस्टिक हेल्पर के बेटे मनराज के लिए धन जुटाने का अपना अनुभव साझा किया, जिसे ग्लूकोमा के लिए करेक्टिव सर्जरी की आवश्यकता थी। उन्होंने बताया कि 79 डोनर्स की उदारता की बदौलत हमने मनराज की सर्जरी के लिए 1.75 लाख रुपए से ज्यादा जुटाए, जिससे उनकी बाईं आंख बच गई। हालांकि उसकी लड़ाई जारी है, लेकिन वह ठीक हो रहा है और यह सब मिलाप के सहयोग और निर्बाध प्लेटफॉर्म की वजह से संभव हो पाया है। टीम हमेशा सहायता के लिए उपलब्ध थी, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि धन जुटाने और निकालने की प्रक्रिया कुशलतापूर्वक संचालित की गई। स्थानीय निवासी, सागर कुमार बैरवा ने बताया कि कैसे उनके परिवार की जिंदगी एक बाइक दुर्घटना की वजह से पूरी तरह से बदल गई, जिसमें उनका 5 महीने का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की वजह से उसके सिर में गंभीर चोट और उसके विकास में देरी आई। डॉक्टरों ने तत्काल सर्जरी को ही ठीक होने की एकमात्र उम्मीद बताया, लेकिन इसके लिए खर्चा उठाने में परिवार को संघर्ष करना पड़ा। एक करीबी दोस्त से मिलाप के बारे में जानने के बाद, उन्होंने इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से धन जुटाना शुरू किया। 168 डोनर्स के सहयोग से, उन्होंने उपचार के लिए आवश्यक राशि सफलतापूर्वक जुटा ली है, और बच्चे की सर्जरी जल्द ही होने वाली है। *रक्षा* के फाउंडर, राहुल ने बताया कि मिलाप के माध्यम से वित्त पोषित, हमारे *स्नेक रेस्क्यू प्रोजेक्ट* ने 137 उदार सपोर्टर्स की मदद से 1.47 लाख रुपए जुटाए।

रक्षाबंधन पर इस बार रहेगा भद्रा का साया

जयपुर (हिंस)। भाई-बहन के बीच रक्षा सूत्र का त्योहार रक्षाबंधन सावन माह के अगस्त महीने की पूर्णिमा तिथि को हर्षोल्लास के साथ न्नीस अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधेगी और रक्षा का वचन लेगी। रक्षा सूत्र बंधवाने के बाद भाई भी प्रेम के रुप में उपहार देंगे और सदा उनकी रक्षा करने का वचन देंगे। इस बार सावन महीने की पूर्णिमा को भद्रा का साया रहेगा। भद्रा रहने के कारण राखी बांधने के सही समय का महत्व बहुत अधिक बढ़ जाता है। सावन माह की पूर्णिमा तिथि 19 अगस्त की प्रात: तीन बजकर 4 मिनट से शुरू होकर उसी दिन रात 11 बजकर 55 मिनट तक है। जबकि सुबह 5 बजकर 53 मिनट पर भद्रा काल शुरू होगा और दोपहर 1 बजकर 32 मिनट तक रहेगा। हालांकि इस भद्रा का वास पाताल लोक में होगा और कई विद्वानों का मत है कि भद्रा का वास पाताल या फिर स्वर्ग लोक हो तो पृथ्वी पर रहने वाले के लिए अशुभ नहीं होती है। कई शुभ कार्यों में भद्रा के पाताल में वास करने को भी नजरअंदाज नहीं किया जाता है। पंडित बनवारी लाल शर्मा के अनुसार रक्षाबंधन वाले दिन शाम को पंचक भी लग रहा है। 19 अगस्त को शाम 7 बजे से लेकर अगले दिन सुबह 5 बजकर 53 मिनट तक पंचक है। 19 अगस्त (सोमवार) को लगने के कारण यह राज पंचक होगा और इसे अशुभ नहीं माना जाता है। रक्षाबंधन के दिन राखी बांधने का मुहूर्त दोपहर में 1 बजकर 30 मिनट से लेकर रात 9 बजकर 8 मिनट तक है। रक्षाबंधन के त्योहार के दिन बहनों को अपने भाई को राखी बांधने के लिए 7 घंटे 38 मिनट तक का समय मिलेगा।

ये भारत को समृद्ध करने वाला बजट, पीएम मोदी बोले–इससे युवाओं–मध्यम वर्ग को मिलेगी नई ताकत

नई दिल्ली ।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट पेश किया। बजट में किए गए प्रावधानों पर प्रधानमंत्री मोदी ने खुशी जताई और कहा कि यह बजट देश को समृद्धि की ओर लेकर जाएगा और इस बजट में समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये शक्ति देने वाला बजट है। ये किसानों–युवाओं को प्रगति की राह पर ले जाना वाला बजट है। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। ये उनकी आर्थिक प्रगति में निरंतरता का बजट है। ये युवाओं को अनगिनत मौके देने वाला बजट है। इस बजट से मिडिल क्लास को नई ताकत मिलेगी। ये जनजातीय समाज, दलित, पिछड़ों को सशक्त करने की मजबूत योजनाओं के साथ आया है। इस बजट से महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। रोजगार और स्वरोजगार पैदा करना हमारी सरकार की पहचान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा इस बजट से व्यापारियों, लघु उद्योगों को प्रगति का नया रास्ता मिलेगा। बजट में उत्पादन पर भी बल है, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी बल है। इससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी और गति को भी निरंतरता मिलेगी। रोजगार और स्वरोजगारों को पैदा करना हमारी सरकार की पहचान रही है। बजट इसे और सुदृढ़ करता है। प्रधानमंत्री के अनुसार, इस बजट में सरकार ने एमप्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेटिव का एलान किया है। इस योजना के तहत जीवन में पहली नौकरी पाने वाले युवा की पहली तनख्वाह हमारी सरकार देगी। कौशल विकास और उच्च शिक्षा के लिए मदद हो या फिर एक करोड़ नौजवानों को इंटर्नशिप की योजना, इसे युवाओं के, गरीब के, मेरे बेटे–बेटी, देश की टॉप कंपनियों में काम करेंगे। उनके लिए संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे। लघु उद्योग देश का केंद्र बना प्रधानमंत्री के अनुसार, हमें हर शहर, हर गांव, हर घर आंत्रप्रेन्योर्स बनाने हैं। हमने बिना गारंटी मुद्रा लोन की लिमिट बढ़ाकर 10 लाख से 20 लाख किया गया है। इससे पिछड़े, दलितों, आदिवासियों को लाभ मिलेगा। हम मिलकर देश को औद्योगिक हब बनाएंगे। देश का एमएसएमई सेक्टर देश का केंद्र बना है। छोटे उद्योगों की बड़ी ताकत हमारा अहम कदम है। इस बजट में उनके लिए ईज ऑफ क्रेडिट बढ़ाने का इंतजाम किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

2024 सुजुकी एवेनिस स्कूटर लॉन्च

नई दिल्ली । जानी–मानी कंपनी सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने 2024 सुजुकी एवेनिस स्कूटर को लॉन्च कर दिया है। स्कूटर का डिज़ाइन पहले जैसा ही स्पोर्टी रखा गया है, लेकिन कंपनी ने युवा राइडर्स, खास तौर पर जेनरेशन झेड को ध्यान में रखते हुए मॉडल में नए अपडेट किए गए हैं। इसकी एक्स–शोरूम कीमत 92,000 रुपये से शुरू होती है। यह मॉडल देश भर में कंपनी के डीलरशिप नेटवर्क पर उपलब्ध है। 2024 सुजुकी एवेनिस में चार आकर्षक रंग- ग्लॉसी स्पार्कल ब्लैक / पर्ल मीरा रेड, चैंपियन येलो नंबर 2 / ग्लॉसी स्पार्कल ब्लैक, ग्लॉसी स्पार्कल ब्लैक और ग्लॉसी स्पार्कल ब्लैक / पर्ल ग्लेशियर व्हाइट का ऑप्शन मिलता है। अधिक स्पोर्टी अपील देने के लिए, कंपनी ने फुटबोर्ड के किनारों पर आकर्षक ग्राफिक्स और बोल्ड सुजुकी लोगो भी जोड़े हैं। इंजन की बात करें तो इस मॉडल में वही 124.3सीसी इंजन लगाया गया है जो 8.7 एचपी पावर और 10 एनएम का पीक टॉर्क देता है। बेहतर ब्रेकिंग के लिए यह स्कूटर फ्रंट में डिस्क और रियर में ड्रम ब्रेक सेटअप के साथ आता है। वहीं, सस्पेंशन के लिए फ्रंट में टेलिस्कोपिक फोर्क और रियर में मोनोशाक सस्पेंशन सेटअप दिया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स की बात करें तो इसमें ब्लूटूथ–सक्षम डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल मिलता है, जिसमें आईओएस और एंड्राएड दोनों के लिए सुजुकी राइड कनेक्ट ऐप का सपोर्ट मिलता है।इसके अलावा, स्कूटर में स्पोर्टी स्प्लिट ग्रैब रेल और टेक्सचर्ड फ्लोरबोर्ड की सुविधा जारी है। अन्य फीचर्स में यूएसबी से लैस फ्रंट बॉक्स, फ्रंट रैक, सेफ्टी शटर के साथ सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम, एक्सटर्नल फ्यूल कैप और 21.8 लीटर का अंडर–सीट स्टोरेज शामिल हैं।

कोडक ने भारत में दो नए क्यूलेड टीवी किए लॉन्च, दोनों में दिया गया है 48वॉट का स्पीकर आउटपुट

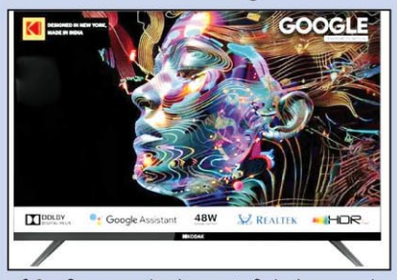

नई दिल्ली । भारत में कोडक कंपनी ने दो नए क्यूलेड टीवी लॉन्च कर दिए हैं।दोनों में 48वॉट का स्पीकर आउटपुट दिया जाता है। इसमें गूगल असिस्टेंट की सुविधा भी दी जाती है।लेटेस्ट कोडक 32–इंच क्यूलेड टीवी और कोडक 43–इंच क्यूलेड टीवी डॉल्बी डिजिटल प्लस से लैस हैं। कंपनी ने अपने लेटेस्ट 32–इंच क्यूलेड टीवी की कीमत 11,499 रुपये रखी है, और ग्राहक इसे अमेज़न से खरीद सकते हैं।वहीं दूसरी तरफ कोडक 43–इंच क्यूलेड टीवी की कीमत 21,999 रुपये रखी गई है, और इसे ग्राहक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं। इसके अलावा, कंपनी ने 50–इंच, 55–इंच और 65–इंच की खासियत के बारे में भी बताया है लेकिन उनकी कीमत खुलासा नहीं किया गया है। कोडक 32–इंच क्यूलेड टीवी डॉल्बी डिजिटल प्लस से लैस है, जो एक एडवांस सराउंड साउंड ऑडियो टेक्नोलॉजी है। ये टेक्नोलॉजी यूज़र्स को 7.1 चैनल तक हाई–फ़िडेलिटी सराउंड साउंड का आनंद लेने की अनुमति देती है। इस स्मार्ट टीवी के स्पीकर इसके डुअल बॉक्स स्पीकर से 48वॉट आरएमएस आउटपुट देते हैं, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह बेहतर ऑडियो है।दूसरी तरफ कोडक 43–इंच क्यूलेड टीवी की बात करें तो ये डीटीएस ट्रूसाइंड के साथ आता है और डॉल्बी एटमॉस और डॉल्बी विजन के साथ डॉल्बी डिजिटल प्लस से भी लैस है, जो बेहतर ऑडियो और वीडियो आउटपुट देता है।

रुपया चार पैसे मजबूत होकर 83.62 डॉलर पर

मुंबई । चालू वित्त वर्ष 2024–25 का पूर्ण बजट पेश होने से पहले रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे मजबूत होकर 83.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी मुद्रा के अपने ऊंचे स्तर से नीचे आने से स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। इसके अलावा विदेशी पूंजी प्रवाह ने भी रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.64 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों में 83.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.66 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

टेलीकॉम कंपनियां अगले 12 महीने में कई बार टैरिफ बढ़ाएंगी

प्रति यूजर आय 182 से बढ़ाकर 300 करने की तैयारी ; सर्विसेज और महंगी होंगी

नई दिल्ली।
मोबाइल टेलीकॉम सर्विसेज और महंगी होंगी। ये कंपनियां अगले 12 महीनों में कई बार टैरिफ बढ़ाएंगी। इसी साल 3 जुलाई को टैरिफ 25 प्रतिशत बढ़ चुका है। केयरएज रेटिंग्स के मुताबिक इस बढ़ोतरी से टेलीकॉम कंपनियों जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया की प्रति यूजर औसत आय 182 से 15 प्रतिशत बढ़कर 220 हो जाएगी। कंपनियों की तैयारी आरपीयू 300 से ऊपर ले जाने की है। भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल का कहना है, 'प्रति यूजर आय 300 तक पहुंचने के बाद भी भारत दुनिया का सबसे सस्ता टेलीकॉम मार्केट बना रहेगा।

डेटा खपत 10 साल में 4 गुना बढ़ी, इसी का फायदा उठा रहीं कंपनियां

देश में इंटरनेट की पहुंच 2014 में सिर्फ 13.5 प्रतिशत थी, जो 2024 में चार गुनी यानी 52.2 प्रतिशत हो गई। 2018–19 से लेकर 2022–23 के बीच टेलीकॉम इंडस्ट्री की आय 1 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई।

2016 में 4जी सर्विसेज शुरू होने के बाद टैरिफ घटा था। इसके बाद देश में इंटरनेट की पहुंच तेजी से बढ़ी। फीचर्स की डिमांड भी बढ़ी। अब 5जी सर्विसेज शुरू हो गई हैं। टेक्नोलॉजी एडवांस होने के साथ ही डेटा का इस्तेमाल भी बढ़ता है। कंपनियां इसी ट्रेंड का फायदा उठाना चाह रही हैं। वित्त वर्ष 2023–24 में टेलीकॉम इंडस्ट्री की कुल आय 2.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। बीते 10 साल में टेलीकॉम कंपनियां 22 से घटकर 5 रह गई।

7 साल में 36 प्रतिशत बढ़ सकता है टैरिफः बैंक ऑफ अमेरिका

बैंक ऑफ अमेरिका का मानना है कि अगले 5 सालों के दौरान भारत में टेलीकॉम आरपीयू 13.6 प्रतिशत बढ़कर 250 और 7 साल में 36.4 प्रतिशत बढ़कर 300 पहुंचेगा। सिटी रिसर्च का अनुमान है कि एयरटेल आने वाले सालों में सबसे ज्यादा टैरिफ बढ़ाएगी। वर्ष 2025–26 तक 270 और 2027 तक 305 तक पहुंच सकता है।

प्रति यूजर आय 1 रु. बढ़ने पर प्रॉफिट में 1 हजार करोड़ का इजाफा

रेटिंग एजेंसियों के मुताबिक, अगले कुछ साल में टेलीकॉम कंपनियां प्रति यूजर आय 80 बढ़ाने के रोडमैप पर काम कर रही हैं। केयरएज रेटिंग्स ने कहा, 'हमारे विश्लेषण के मुताबिक, आरपीयू में हर 1 रुपए की बढ़ोतरी से टेलीकॉम इंडस्ट्री का मुनाफा 1,000 करोड़ रुपए बढ़ जाता है।

5 साल में 82 प्रतिशत बढ़ी प्रति यूजर आय, वोडाफोन-आइडिया के ग्राहक घटे

दूरसंचार विभाग के मेंबर (फाइनेंस) मनीष सिन्हा के मुताबिक 2018–19 में टेलीकॉम कंपनियों की प्रति यूजर औसत आय 100 थी। वित्त वर्ष 2023–24 में यह बढ़कर 182 हो गई। इसमें 86 प्रतिशत हिस्सेदारी 4जी की और करीब 14 प्रतिशत हिस्सेदारी 5जी की रही। टेलीकॉम एक्सपर्ट महेश उप्पल ने बताया कि इस साल मई में जियो के ग्राहक 35 लाख और एयरटेल के 9 लाख बढ़े हैं। इन दोनों कंपनियों के उलट वोडाफोन–आइडिया के ग्राहक एक महीने में 17 लाख घटे।

इनकम टैक्स में कटौती से आम आदमी के हाथ में बचेगा ज्यादा पैसा : एक्सपर्ट

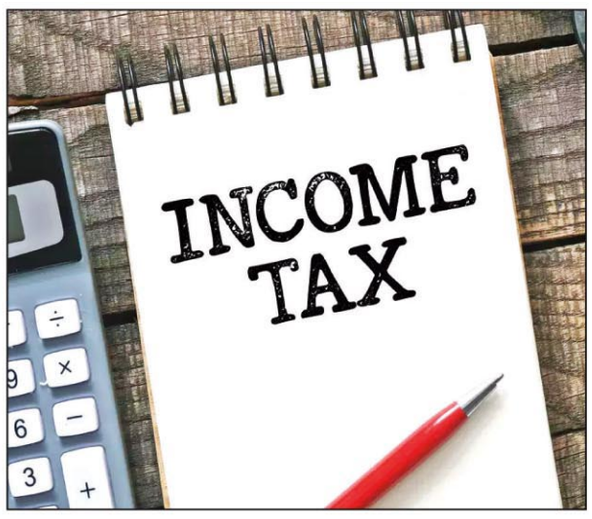

नई दिल्ली।
सरकार की ओर से नई टैक्स रिजीम में इनकम टैक्स कम किए जाने को एक्सपर्ट्स ने एक शानदार कदम बताया है। इससे आम जनता के हाथ में पहले के मुकाबले ज्यादा खर्च योग्य आय बचेगी और महंगाई का मुकाबला करने में मदद मिलेगी। पीएचडीसीसीआई एंड पार्टनर में प्रत्यक्ष कर समिति की सह–अध्यक्ष, डॉ. पल्लवी दिनोदिया गुप्ता का कहना है कि बड़ी संख्या में लोग नई टैक्स रिजीम को चुन रहे हैं। वित्त मंत्री से लोगों को काफी उम्मीदें थी। पर्सनल इनकम टैक्स में कटौती किए जाने से आम आदमी को काफी राहत मिलेगी। इससे पैसा आम लोगों के हाथ में ज्यादा बचेगा। वहीं, स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ना नौकरीपेशा लोगों के लिए अच्छी खबर है।

सीए प्रकाश सिन्हा का कहना है कि सरकार द्वारा नई टैक्स रिजीम के तहत टैक्स छूट और स्टैंडर्ड डिडक्शन में बढ़ोतरी किए जाने का सीधा फायदा कम आय टैक्स स्लैब में आने वाले लोगों को होगा। नई टैक्स रिजीम में अब करीब 17,500 रुपए की टैक्स बचत हो पाएगी। फैमिली पेंशन को 15,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए करने से लोगों को सीधा फायदा मिलेगा।

अब, नई टैक्स रिजीम के तहत 0 से 3 लाख रुपए तक की आय पर शून्य टैक्स लगेगा। 3 से 7 लाख रुपए तक की आय पर 5 प्रतिशत, 7 से 10 लाख रुपए तक की आय पर 10 प्रतिशत, 10 से 12 लाख रुपए तक की आय पर 15 प्रतिशत, 12 से 15 लाख रुपए तक की आय पर 20 प्रतिशत और 15 लाख रुपए से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत टैक्स लगेगा। वहीं, स्टैंडर्ड डिडक्शन छूट को बढ़ाकर 75,000 रुपए कर दिया गया है, जो कि पहले 50,000 रुपए थी।

भारत विश्व की एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था है जहां तेल के दाम घटेः गोपी

नई दिल्ली ।
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरत का 85 फीसदी से अधिक भाग आयात करता है। उन्होंने बताया कि कच्चे तेल के मूल्य में वर्ष 2019 की तुलना में दोगुना से अधिक की वृद्धि हुई है और दाम अस्थिर बने हुए हैं। गोपी ने कहा कि भारत विश्व की एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था है जहां हाल के वर्षों में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने आम लोगों को उच्च अंतरराष्ट्रीय मूल्यों के प्रभाव से बचाने के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर अप्रत्याशित कर, घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सार्वभौमिक सेवा दायित्व के प्रावधानों को लागू करना और पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण बढ़ाना आदि शामिल हैं। गोपी ने बताया कि केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर नवंबर 2021 और मई 2022 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क में क्रमशः 13 रुपये प्रति लीटर और 16 रुपये प्रति लीटर की कमी की थी। उन्होंने कहा कि इसका लाभ पूरी तरह से उपभोक्ताओं को दिया गया था। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य सरकारों ने भी नागरिकों को राहत देने के लिए राज्य वैट दरें घटाई हैं।

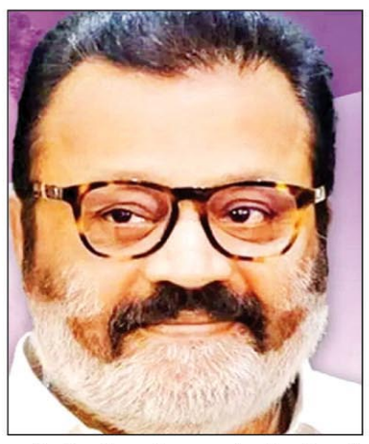

मिनी रत्न कंपनी को रेल मंत्रालय ने दिया 186 करोड़ रुपये का काम, बुलेट ट्रेन की रफ्तार से भाग रहा है भाव

नई दिल्ली ।
रेलवे सेक्टर की कंपनियों का प्रदर्शन पिछले एक साल के दौरान शानदार रहा है। पीएसयू स्टॉक रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अच्छी खबर साझा की है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि रेलवे मंत्रालय से काम मिला है। बीएसई में कंपनी के शेयर 1.32 प्रतिशत के साथ 523.45 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ लिमिटेड रेलवे मंत्रालय से काम मिला है। इस काम के लिए 186.81 करोड़ रुपये का भुगतान मिलेगा।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन शानदार

बीते एक साल में कंपनी के शेयरों का प्रदर्शन शानदार रहा है। इस दौरान पोजीशनल निवेशकों को 237 प्रतिशत का लाभ मिला है। वहीं, 3 महीने में स्टॉक का भाव 43,70 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, एक महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति कैसी है

जनवरी से मार्च 2024 के दौरान कंपनी का प्रॉफिट 77.53 करोड़ रुपये रहा था। जोकि सालाना आधार पर 3 प्रतिशत अधिक रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 75.24 करोड़ रुपये रहा था। मिनी रत्न कंपनी की कुल इनकम मार्च तिमाही के दौरान 852 करोड़ रुपये रहा था।

पिछले वित्त वर्ष की बात करें तो रेलटेल कॉरपोरेशन लिमिटेड की कुल कमाई 2622 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 246 करोड़ रुपये रहा था। जोकि सालाना आधार पर 31 प्रतिशत अधिक है। इस कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 72.80 प्रतिशत की है। वहीं, पब्लिक के पास 22.14 प्रतिशत हिस्सा है। विदेशी निवेशकों ने भी कंपनी के शेयरों को होल्ड किया है।

आईडीबीआई बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा 40 प्रतिशत बढ़ाः आय 3 प्रतिशत घटकर 7,471 करोड़ रही, ब्याज आय भी 2.81 प्रतिशत घटी

मुंबई।
आईडीबीआई बैंक का अप्रैल–जून तिमाही में स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 40.44 प्रतिशत बढ़कर 1,719.27 करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में ये 1,224.18 करोड़ रहा था।

तिमाही आधार पर भी बैंक का नेट प्रॉफिट 5.57 प्रतिशत बढ़ा है। पिछली तिमाही में बैंक का मुनाफा 1,628.46 करोड़ रुपए रहा था। आईडीबीआई ने फाइनेंशियल ईयर 2024–25 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं।

आय 3.12 प्रतिशत घटकर 7,471.25 करोड़ रही – वहीं जून तिमाही में बैंक की टोटल इनकम यानी आय सालाना आधार पर 3.12 प्रतिशत घटकर 7,471.25 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की समान तिमाही में 7,711.95 करोड़ रुपए रही थी। वहीं तिमाही आधार पर भी बैंक की इनकम 5.26 प्रतिशत घटी है।

बैंक का शेयर 0.83 प्रतिशत बढ़कर 89 पर पहुंचा – रिजल्ट के बाद आईडीबीआई बैंक का शेयर 0.83 प्रतिशत बढ़कर 89.60 रुपए पर बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 99.90 हजार करोड़ रुपए हो गया है। बीते छह महीने में बैंक के शेयर ने अपने निवेशकों को 17.28 प्रतिशत रिटर्न दिया है। वहीं एक साल में बैंक का शेयर 54.75 प्रतिशत चढ़ा है। जून तिमाही में आईडीबीआई बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम यानी शुद्ध ब्याज आय सालाना आधार पर 2.81 प्रतिशत घटकर 6,666 करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 6,859 करोड़ रुपए रही थी। वहीं तिमाही आधार पर भी बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 4.63 प्रतिशत घटी है।

आईडीबीआई बैंक की देश में 2000 से ज्यादा ब्रांच – आईडीबीआई बैंक, बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज प्रोवाइड करता है। इस बैंक को 1964 में स्थापित किया था। इसका हेड क्वार्टर मुंबई में है। बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर राकेश शर्मा हैं। आईडीबीआई बैंक की देश में 2000 से ज्यादा ब्रांच और 3300 से ज्यादा एमटीएम हैं।

सोना के भाव बढ़कर 72,800, चांदी गिरावट के साथ 89,000 रुपए

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के आम बजट पेश होने से पहले सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,800 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 120 रुपये की तेजी के साथ 72,838 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 100 रुपये की तेजी के साथ 72,818 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 205 रुपये की गिरावट के साथ 88,995 रुपये पर खुला। इस समय यह 213 रुपये की गिरावट के साथ 88,990 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 2,398 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव प्राइस 2,394.70 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 3.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,398.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.31 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव भी 29.32 था। फिलहाल यह 0.14 डॉलर की गिरावट के साथ 29.17 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

तैराक धिनिधि पेरिस में हिस्सा लेने वाली सबसे युवा भारतीय

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और खेलों के इस महाकुंभ को शुरू होने में अब तीन दिन शेष रह गए हैं। भारत ने पेरिस ओलंपिक के लिए 117 सदस्यीय दल भेजा है जिन पर पदक लाने का जिम्मा रहेगा। भारत के लिए इस बार महिला तैराक धिनिधि देसिंघू पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली सबसे युवा खिलाड़ी हैं। 14 साल की धिनिधि 200 मीटर फ्री स्टाइल में भाग लेंगी।

भारत की ओर से सबसे युवा खिलाड़ी 14 साल की धिनिधि देसिंघू हैं। वह सीधे क्वालिफाई नहीं कर सकी थीं लेकिन यूनिवर्सिलिटी कोटे के तहत उन्हें भाग लेने का मौका मिला है। वह विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में भी हिस्सा ले चुकी हैं। वैसे भारत की ओर से सबसे युवा ओलंपियन बनने का रिकॉर्ड आरती साहा के नाम है जिन्होंने 11 साल और 10 महीने की उम्र में हेलसिंकी ओलंपिक में हिस्सा लिया था।

कनाडा की जिल खेलेंगी 61 की उम्र में अपना पहला ओलंपिक

26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलंपिक में जहां ऑस्ट्रेलिया की घुड़सवारी टीम में रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल 69 साल की मैरी हाना शामिल हैं तो कनाडा की घुड़सवारी टीम में जिल इरविंग भी हैं जो 61 साल की हो चुकी हैं और अपना पहला ओलंपिक खेलेंगी। जिल को तो टोक्यो ओलंपिक में ही खेलना था लेकिन कोरोना के कारण खेल एक साल के लिए खिसक गए और तब तक उनके घोड़े की भाग लेने की उम्र निकल गई। अब घोड़ा बदल गया पर जिल भी वही हैं और खेलने का जज्बा भी वही है। मैरी तो पोते-पोतियों वाली हैं लेकिन घुड़सवारी नहीं छोड़ी है। जिस उम्र में आम लोग लठिया और खटिया पकड़ लेते हैं मैरी पूरी शान से तनकर घोड़े पर ऐड़ लगाती हैं। अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह इस बार अपना सातवां ओलंपिक खेलेंगी। वह ड्रेसेज में हिस्सा लेती हैं। पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में वह 66 साल की उम्र में भाग लेने वालीं सबसे उम्रदराज थीं। 11 साल की चीनी स्केटबोर्ड खिलाड़ी सबसे युवा पेरिस में सबसे युवा खिलाड़ी की बात करें तो चीन की स्केटबोर्ड खिलाड़ी झेंग हाओहाओ महज 11 साल की हैं और चीन की सबसे युवा ओलंपियन हैं। उन्होंने बुडापोस्ट ओलंपिक क्वालिफायर सीरीज में पेरिस के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। सात साल की उम्र में उन्हें एक स्केटबोर्ड जन्मदिन के तोहफे के रूप में मिला था और उसके बाद यह उनका जुनून बन गया। स्केटबोर्ड में टोक्यो ओलंपिक में 13 साल की स्काई ब्राउन ने कांस्य पदक जीता था।

न्यूज ब्रीफ

हरमनप्रीत, शैफाली महिला टी20 रैंकिंग में आगे बढ़ीं

दुबई। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और ओपनर शैफाली वर्मा श्रीलंका में चल रहे महिला एशिया कप में

अपने हालिया प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 खिलाड़ी रैंकिंग में आगे बढ़ गई हैं। ताजा टी20 रैंकिंग में हरमनप्रीत और शैफाली संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। हरमनप्रीत के पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद पांच और संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ 66 रन के स्कोर ने उन्हें एक स्थान हासिल करने में मदद की है, जबकि शैफाली के 40 और 37 के स्कोर ने उन्हें चार स्थान ऊपर उठाया है। श्रीलंका की ऑफ स्पिनर इनोशी प्रियदर्शनी बांग्लादेश के खिलाफ दो और मलेशिया के खिलाफ एक विकेट लेने के बाद तीन स्थान आगे बढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत की विकेटकीपर ऋचा घोष चार पायदान ऊपर 24वें, बांग्लादेश की मुर्शिदा खातून छह पायदान ऊपर 47वें, श्रीलंका की विशमी गुणरत्ने सात पायदान ऊपर 51वें और थाईलैंड की नट्टाया बूचथम 10 पायदान ऊपर 76वें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजों में बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर नौ पायदान ऊपर 21वें स्थान पर हैं जबकि मारुफा अख्तर एक पायदान ऊपर 26वें स्थान पर हैं। श्रीलंका की उदेशिका प्रबोधनी चार स्थान आगे बढ़कर 30वें स्थान पर और भारत की श्रेयंका पाटिल 19 स्थान ऊपर चढ़कर 41वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट, जिन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी घरेलू श्रृंखला के अंतिम मैच में 31 गेंदों पर नाबाद 46 रन की मैच विजयी पारी खेली, जिससे इंग्लैंड ने श्रृंखला 5-0 से जीत ली, दो स्थान हासिल करके शीर्ष 20 में फिर से प्रवेश कर गई है।

स्टिमक ने भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच मार्केज को दी चेतावनी, नई भूमिका को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को हाल ही में नया कोच मिला था। अखिल भारतीय फुटबॉल

महासंघ (एआईएफएफ) ने गोवा एफसी के मुख्य कोच स्पेन के मनोलो मार्केज को भारतीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया था। हालांकि, टीम के पूर्व कोच इगोर स्टिमक ने मार्केज को इसके लिए बधाई दी और साथ ही चेतावनी भी दी। स्टिमक ने मार्केज से कहा कि उनके लिए यह यात्रा आसान नहीं रहेगी। स्टिमक को किया गया था बर्खास्त स्टिमक 1998 में विश्व कप के सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली टीम के सदस्य थे। उन्हें अपेक्षाकृत आसान ड्रॉ मिलने के बावजूद 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालिफाई करने में भारत की विफलता के बाद पिछले महीने बर्खास्त कर दिया गया था। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने 55 साल के मार्केज को कोच नियुक्त किया था। एआईएफएफ ने बताया था कि मार्केज 2024-25 सत्र में एफसी गोवा के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे। वह पूर्णकालिक आधार पर राष्ट्रीय टीम का कोच बनने से पहले दोनों जिम्मेदारियों को एक साथ संभालेंगे। पिछले चार साल से भारत में कोचिंग कर रहे हैं मार्केज यूएफा प्रो लाइसेंस धारक इस कोच के कार्यकाल का एआईएफएफ द्वारा खुलासा नहीं किया गया है। भारत के मुख्य कोच के रूप में उनका पहला कार्यभार अक्टूबर में वियतनाम में तीन देशों की टूर्नामेंट से होगा। इसमें तीसरी टीम लेबनान की है। मार्केज 2020 से भारत में कोचिंग कर रहे हैं। वह अब तक दो आईएसएल क्लबों के कोच रह चुके हैं। उनका पहला कार्यकाल हैदराबाद एफसी (2020-23) के साथ था। इसके बाद वह 2023 सत्र में गोवा की टीम से जुड़े।

राजस्थान रॉयल्स के कोच बन सकते हैं द्रविड़

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ अब किस आईपीएल टीम से जुड़ते हैं। इसको लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। द्रविड़ का भारतीय टीम के कोच के तौर पर कार्यकाल विश्वकप के साथ ही समाप्त हो गया था। पहले माना जा रहा था था कि वह आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ सकते हैं पर अब कहा जा रहा है कि वह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे। गौतम गंभीर के भारतीय टीम का कोच बन जाने के बाद कहा जा रहा था कि द्रविड़ केकेआर टीम के नये कोच बनेंगे पर ये बात गलत निकली। अब कहा जा रहा है कि द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बनेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, द्रविड़ की आरआर में वापसी की संभावना है और इस बारे में उनकी टीम से बात चल रही है। इस संबंध में घोषणा जल्द ही होगी। द्रविड़ का रॉयल्स के साथ लंबा रिश्ता रहा है। वह आरआर के कप्तान भी रहे हैं। उनकी कप्तानी में फ्रेंचाइजी साल 2013 में चैंपियंस लीग टी20 फाइनल और आईपीएल प्लेऑफ तक पहुंची थी। उन्होंने इसके अलावा, 2014 और 2015 में मेंटॉर की भूमिका निभाई थी और टीम तीसरे स्थान पर रही थी।

इतिहास रचने की दहलीज पर 44 साल के रोहन बोपन्ना, पदक जीते तो बन जाएंगे सबसे उम्रदराज विजेता

नई दिल्ली ।
रोहन बोपन्ना को अपने करियर की बड़ी सफलताएं 35 की उम्र के बाद मिली हैं। बोपन्ना अब 44 वर्ष के हो चुके हैं। बावजूद इसके वह सफलताओं के नए आयाम गढ़ रहे हैं। वह इस वर्ष ही 43 वर्ष की आयु में मैथ्यु एबडेन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज टेनिस खिलाड़ी बने हैं। अब बोपन्ना की निगाहें पेरिस ओलंपिक पर हैं। वह यहां नियमित साथी मैथ्यु एबडेन के साथ नहीं बल्कि एन श्रीराम बालाजी के साथ जोड़ी बनाकर उतरने जा रहे हैं, लेकिन पेरिस में उनकी दावेदारी को खारिज नहीं किया जा सकता है। बोपन्ना ने पेरिस में बालाजी के साथ पुरुष युगल में पदक जीता तो वह इतिहास रच देंगे। वह ओलंपिक में पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं।

होटल में साथ ठहरे तब चुना जोड़ीदार

विश्व नंबर 62 बालाजी बोपन्ना के नियमित जोड़ीदार नहीं हैं। ओलंपिक में तालमेल बिठाने के लिए इस वक्त दोनों साथ खेल रहे हैं। बोपन्ना ने सोचने-समझने के बाद बालाजी को ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना। दिसंबर, 2023 में बोपन्ना ने कुछ भारतीय खिलाड़ियों को अपने खर्च पर साथ में होटल में रुकवाया था। इस प्रवास के दौरान बोपन्ना ने उनके बारे में सब कुछ जाना। इनमें बालाजी भी शामिल थे। माना जा रहा था कि बोपन्ना के जोड़ीदार को लेकर विवाद होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सूत्र बताते हैं कि इस प्रवास के कुछ दिन बाद ही बोपन्ना ने अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (आईटा) को अवगत करा दिया था कि वह बालाजी को जोड़ीदार बनाने जा रहे हैं। हालांकि बालाजी के नाम की घोषणा काफी बाद में हुई। टूर्नामेंट क्ले कोर्ट

पर हो रहा है। बोपन्ना का मानना है कि बालाजी क्ले कोर्ट पर अच्छा खेलते हैं।

रियो में सानिया के साथ पदक से चूक गए

बोपन्ना का यह तीसरा ओलंपिक है। 2012 और 2016 में वह ओलंपिक से पहले जोड़ी को लेकर काफी विवादों में रहे। उन्होंने लंदन में लिएंडर पेस की जगह महेश भूपति के साथ जोड़ी बनाई, जबकि रियो में सानिया ने पेस के स्थान पर बोपन्ना को मिश्रित युगल में वरीयता दी। दोनों ही मौकों पर वह पदक के दावेदार बने, लेकिन वह पास पहुंच कर भी पदक नहीं जीत पाए। लंदन ओलंपिक में वह भूपति के साथ दूसरे दौर में हारे, जबकि रियो ओलंपिक में वह सानिया के साथ सेमीफाइनल में पहुंचे, जहां उन्हें हार मिली और वह कांस्य पदक का मुकाबला भी हार कर चौथे स्थान पर रहे।

क्ले कोर्ट पर अच्छा खेल रहे हैं नागल

बोपन्ना-बालाजी के अलावा एकल में सुमित नागल भारतीय चुनौती पेश करेंगे। नागल का क्ले कोर्ट पर हालिया प्रदर्शन शानदार रहा है। वह दो चैलेंजर टूर्नामेंट इस सतह पर जीत चुके हैं। उनकी विश्व रैंकिंग भी सुधर कर 68 पर जा पहुंची है। वह उलटफेर करने में तो सक्षम हैं, लेकिन उनसे पदक की उम्मीद नहीं की जा रही है।

पेस-भूपति विवाद के कारण नहीं मिले पदक

लिएंडर पेस और महेश भूपति के बीच पनपे मतभेद के कारण विवाद नहीं गहराए होते तो भारत के ओलंपिक में एक से अधिक पदक होते। लिएंडर ने एकल में 1996 में कांस्य पदक जीता, लेकिन वह भूपति के साथ युगल में 2004 में चौथे स्थान पर रहे। 2008 में उन्हें फेडरर-वावरिंका की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी ने हराया।

ऋषभ पंत ने पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली । पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत में अब चार दिन शेष हैं। 26 जुलाई से इस टूर्नामेंट का आगाज होगा। इस बीच भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कुल 117 खिलाड़ियों को पेरिस भेजा है। भारत को इनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने जीते सात पदक आगामी टूर्नामेंट के लिए ऋषभ पंत ने भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी और एक खास अपील की है। पंत ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों का समर्थन करें। उनका लक्ष्य भारत की प्रत्येक खेल में जीत है। भारत ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में कुल सात मेडल अपने नाम किए थे। इनमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल थे। पंत ने जारी किया वीडियो पंत ने वीडियो संदेश साझा करते हुए लिखा, पेरिस में तिरंगा ऊंचा लहराए। हमारे भारतीय ओलंपिक एथलीटों को पेरिस 2024 के लिए शुभकामनाएं। वहीं, इस वीडियो में उन्होंने कहा, नमस्ते भारत, आइए हम सब मिलकर अपने भारतीय ओलंपिक एथलीटों का समर्थन करें जो हमारे देश को गौरवान्वित करने के लिए वर्षों से अथक परिश्रम कर रहे हैं। आइए हम उनकी कड़ी मेहनत के लिए उनकी प्रशंसा करें क्योंकि वे दुनिया के सबसे बड़े मंच पर चमक रहे हैं। भारत के संभावित पदक विजेता मीराबाई चानू (रजत), लवलीना बोरगोहेन (कांस्य), पीवी सिंधू (कांस्य), विजय कुमार दहिया (रजत), बजरंग पुनिया (कांस्य), भारतीय हॉकी टीम (कांस्य) और नीरज चोपड़ा (स्वर्ण) ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में पदक जीते थे। इनसे देश के पदक विजेता बनकर उभरे।

आईओसी ने लिया बड़ा फैसला, भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को मिलेगा ओलंपिक ऑर्डर सम्मान

नई दिल्ली ।
41 वर्षीय बिंद्रा ने 2008 बीजिंग खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता जीतकर भारत के पहला व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था। वह 2010 से 2020 तक अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) की एथलीट समिति के सदस्य थे। भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनकी उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार समारोह ओलंपिक के समापन से एक दिन पहले 10 अगस्त को पेरिस में 142वें आईओसी सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष ने दी बधाई आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाच ने बिंद्रा को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, मुझे आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने ओलंपिक आंदोलन में आपकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आपको ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित करने का फैसला किया है।

क्या है ओलंपिक ऑर्डर सम्मान ओलंपिक ऑर्डर आईओसी का सर्वोच्च पुरस्कार है, जो ओलंपिक आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। यह उस व्यक्ति को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिसने अपने कार्यों के माध्यम से ओलंपिक आदर्श को दर्शाया हो, खेल जगत में उल्लेखनीय योग्यता हासिल की हो, या ओलंपिक के लिए अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि या खेल के विकास में अपने योगदान के माध्यम से उत्कृष्ट सेवाएं दी हों। इसके नामांकन ओलंपिक ऑर्डर काउंसिल द्वारा प्रस्तावित किए जाते हैं और कार्यकारी बोर्ड द्वारा उन पर निर्णय लिया जाता है। खेल मंत्री ने दी बधाई वहीं, खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने भी अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, ओलंपिक आंदोलन में उत्कृष्ट योगदान के लिए ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित होने पर अभिनव बिंद्रा को बधाई! उनकी उपलब्धि हमें गर्व से भर देती है और वे वास्तव में इसके हकदार हैं। उनके नाम ने ही निशानेबाजों और ओलंपियनों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। बिंद्रा ने 2008 में जीता था स्वर्ण 41 वर्षीय बिंद्रा ने 2008 बीजिंग खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता जीतकर भारत के पहला व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था।

ओलंपिक में दूसरी बार सात भारतीय शटलर दिखाएंगे दम, प्रणय-लक्ष्य को करना होगा असाधारण प्रदर्शन

नई दिल्ली ।
ओलंपिक में अब तक पदक की दावेदारी पीवी सिंधू, साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत के इर्द-गिर्द घूमा करती थी। यह पहली बार है जब पुरुष युगल में कोई भारतीय जोड़ी पदक की दावेदार है। पेरिस में विश्व नंबर तीन सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पदक के सबसे बड़े दावेदारों में से एक है। वहीं, विश्व नंबर 13 पीवी सिंधू लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए दावा ठोकने जा रही हैं। पेरिस में सात सदस्यीय बैडमिंटन का दल उतरने जा रहा है। ऐसा ओलंपिक में दूसरी बार होने जा रहा है। 2016 के रियो ओलंपिक में भी सात भारतीय शटलर खेले थे।

जबरदस्त फॉर्म में हैं सात्विक-चिराग

पूर्व विश्व नंबर एक, एशियाड और थॉमस कप चैंपियन सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी को पेरिस में नंबर तीन वरीयता मिली है। उनका ड्रॉ भी अच्छा है। ग्रुप दौर में उनके सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वी इंडोनेशिया की छठी वरीय जोड़ी फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान हैं। सात्विक-चिराग का इस जोड़ी के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 3-2 है। अंतिम मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने 2023 में कोरिया ओपन

इंडोनेशियाई जोड़ी पर जीत हासिल की थी। इस वर्ष दोनों थाईलैंड ओपन और फ्रेंच ओपन का खिताब जीत चुके हैं।

बड़े टूर्नामेंट की खिलाड़ी हैं सिंधू

2022 में राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण जीतने के बाद से सिंधू लगातार चोटों से जूझती रही हैं। दिग्गज प्रकाश पादुकोण के संरक्षण में आने के बाद उन्होंने जुझारूपन दिखाया है। फिर सिंधू को बड़े टूर्नामेंटों की शटलर माना जाता है। बीते दो ओलंपिक का इसका उदाहरण हैं। रियो में उन्होंने रजत और टोक्यो में कांस्य पदक जीता था। सिंधू को ग्रुप दौर तो आसान मिला है, लेकिन नॉकआउट में उनके सामने चीनी शटलर हैं। अंतिम-16 में उनका चीन की हे बिंग जियाओ और क्वार्टर फाइनल में चीन की टोक्यो ओलंपिक की विजेता चेन यू फेई से मुकाबला संभावित है।

ओलंपिक डेब्यू पर डिफेंडर संजय ने कहा...यह अवसर मुझे और अधिक मेहनत के लिए प्रेरित करता है

नई दिल्ली ।
हरियाणा के हिसार के पास डबरा गांव के रहने वाले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर संजय 26 जुलाई से पेरिस में शुरू हो रहे ओलंपिक में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। भारतीय हॉकी में सबसे शानदार खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरे संजय का एक छोटे से गांव से ओलंपिक के भव्य मंच तक का सफर उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। संजय ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनकर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं। किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह, ओलंपिक में खेलना मेरा सपना था, इसलिए मुझे खुशी है कि मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई। मैं पेरिस ओलंपिक के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहा। यह अवसर मुझे और भी अधिक मेहनत करने और हमारी टीम की सफलता में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। मैं सबसे बड़े खेल मंच पर अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, जब मैंने पेरिस ओलंपिक के लिए अपने चयन की बात अपने परिवार को बताई, तो सभी बहुत खुश हुए। उनका आशीर्वाद और प्रोत्साहन मेरे लिए इस आयोजन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने और उन्हें गौरवान्वित करने के

लिए प्रेरणा का एक जबरदस्त स्रोत रहा है। संजय ने पहली बार 2021 जूनियर विश्व कप के दौरान सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, जहां वह दो हैट्रिक सहित आठ गोल के साथ भारत के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल उन्हें टूर्नामेंट में तीसरा सबसे ज्यादा गोल करने वाला खिलाड़ी बनाया, बल्कि भारतीय हॉकी में भविष्य के सितारे के रूप में उनकी क्षमता भी साबित की। संजय ने जून 2022 में सीनियर टीम के साथ अपने सफर की शुरुआत की और भारत को उद्घाटन एफआईएच हॉकी 5एस जीतने में भूमिका निभाई। ड्रैग-फ्लिकर के रूप में उनके कौशल ने महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संजय ने हांगझोऊ, चीन में 19वें एशियाई खेल 2022 और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों में भी भाग लिया है, जहां टीम ने स्वर्ण पदक जीते। एफआईएच जूनियर विश्व कप भुवनेश्वर 2021 में उनके प्रदर्शन ने भारत को चौथा स्थान दिलाया और उन्होंने 2018 में तीसरे युवा ओलंपिक खेलों में रजत पदक भी हासिल किया। संजय को 2021 में अंडर-21 में वर्ष के उभरते खिलाड़ी (पुरुष) के लिए हॉकी इंडिया जुगराज सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अब संजय का पूरा ध्यान पेरिस ओलंपिक पर है और उनका लक्ष्य एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने कहा, मैं एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करके और प्रत्येक मैच में अपना 100 प्रतिशत देकर ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित करूंगा। मेरा लक्ष्य पूरी तरह प्रतिबद्ध रहना है और यह सुनिश्चित करना है कि मैं मैदान पर हर अवसर के साथ अपनी टीम की सफलता में योगदान दूं। यह वह क्षण है जिसके लिए मैंने बहुत मेहनत की है और मैं इसका अधिकतम लाभ उठाने का इरादा रखता हूं। एक खिलाड़ी के रूप में अपने अंतिम सपने का खुलासा करते हुए उन्होंने कहा, जब से मैंने हॉकी स्टिक उठाई है।

क्या भारत के लिए फिर शुभ साबित होगा सात अगस्त इस दिन भारत्तोलन में पदक पर दावा ठोकेंगी मीरा

नई दिल्ली ।
नीरज चोपड़ा ने सात अगस्त, 2021 को ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतकर इसे भारतीय खेलों के इतिहास का स्वर्णिम दिन बना दिया। अब सात अगस्त को यादगार बनाने की बारी वेटलिफ्टर मीराबाई चानू की है। मीरा सात अगस्त को ही पेरिस में एक और ओलंपिक पदक के लिए दावा ठोकने उतरेंगी। उन्हें भी मालूम है कि सात अगस्त को नीरज ने स्वर्ण जीता था। मीरा कहती हैं, वह इस दिन की अहमियत जानती हैं और इसे वापस भारतीय खेलों का सबसे शुभ दिन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी।

डायरी बनी सहारा

टोक्यो ओलंपिक में 49 भार वर्ग का रजत पदक जीतने वाली मीरा एक और

पदक के लिए फूंक-फूंक कर कदम रख रही हैं। इसमें 2015 से तैयार की गई उनके अनुभवों की डायरी खूब मदद कर रही है। जब भी वह थोड़ा निराश होती हैं तो अप्रैल, 2021 के दिनों की तैयारी का हिस्सा खोल लेती हैं। इन पन्नों पर उनकी ओर से खुद उकेरे गए शब्द उनमें वापस स्फूर्ति का संचार कर देते हैं। अप्रैल, 2021 में ही उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप में 119 किलो का वजन उठाकर क्लीन एंड जर्क में विश्व कीर्तिमान रचा था।

विश्व रिकॉर्ड से मिल रही ऊर्जा

मीरा कहती हैं, बीते कुछ वर्ष चोट के कारण उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे हैं। कई बार नकारात्मकता हावी हो जाती है। ऐसे में कोच विजय शर्मा उन्हें अच्छे दिनों की याद दिलाते हैं। वह डायरी में हर अच्छी बात और तैयारियों को लिखती आई हैं। 119 का विश्व रिकॉर्ड उनके सबसे करीब है। पेरिस की तैयारियों में यह रिकॉर्ड उनमें ऊर्जा भर रहा है। मीराबाई ने टोक्यो ओलंपिक में कुल 202 किलो वजन उठाकर रजत पदक जीता था। स्नैच राउंड में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 87 किलो वजन का रहा था, जबकि क्लीन एंड जर्क राउंड में उन्होंने 115 किलो वजन उठाया था। अभी 80 से 85 प्रतिशत वजन उठा रही हैं पेरिस के लिए मीरा की तैयारियां हटकर हैं। वह और उनके कोच विजय शर्मा उस गलती को नहीं दोहराना चाहते हैं जो हांगझोऊ एशियाई खेलों के दौरान हुई थी। एशियाड से ठीक पहले मीरा ने अपनी क्षमता का 90 से 95 प्रतिशत वजन कंपटीशन से पहले कई बार उठाया। कंपटीशन वाले दिन वह चोटिल हो गईं। उनका इलाज जाने-माने चिकित्सक डॉ. दिनशी पारदीवाला ने किया, लेकिन दर्द का कारण नहीं पता लगा। इसके बाद मीरा ने लंबे समय तक वजन को हाथ नहीं लगाया। पहले उन्होंने अपने शरीर को मजबूत किया और जीरो से शुरुआत की। मीरा के मुताबिक वह अभी वह 80 से 85 प्रतिशत वजन उठा रही हैं। कमरे में स्थापित किए बजरंगबली कोच विजय शर्मा का मानना है कि मीरा को सात अगस्त से पहले एक बार उनका अधिकतम भार देना है।

ओलंपिक में एक बार फिर नीरज से रहेंगी स्वर्ण की उम्मीदें

पेरिस । इस माह 26 जुलाई से शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक में भारत को भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक की उम्मीदें रहेंगी। नीरज ने पिछले ओलंपिक में स्वर्ण जीता था। इसके अलावा वह विश्व चैम्पियनशिप में भी विजेता है। ऐसे में अब प्रशंसकों को उनसे अगले माह 8 अगस्त को होने वाले मुकाबले में एक बार फिर स्वर्ण की उम्मीदें रहेंगी। नीरज के अलावा भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना भी यहां बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। नीरज के साथ पिछले दिनों फिटनेस को जो समस्या रही थी वह अब ठीक हो गयी है। उनके कोच क्लाउस बार्टोनिट्ज ने कहा है कि नीरज की जांघ की चोट अब पूरी तरह से ठीक हो गयी है। नीरज ने फिनलैंड में पावो नूरमी गेम्स में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। जिससे अंदाजा होता है कि वह पूरी तहर से फिट हो गये हैं। इस बार ओलंपिक में भारतीय एथलीटो का दल काफी बड़ा है। ऐसे में भारत को अधिक पदकों की उम्मीदें हैं।
ओलंपिक लिए भारतीय एथलेटिक्स दल पुरुष: नीरज चोपड़ा, अविनाश साबले, किशोर जेना, मोहम्मद अनस, मोहम्मद अजमल वी, अमोज जैकब, संतोष कुमार तमिलारासन, राजेश रमेश, मिजो चाको कुरियन, आकाशदीप सिंह, विकाश सिंह, परमजीत सिंह बिष्ट, सूरज पंवार, सर्वेश कुशारे, जेस्विन एल्ड्रिन, प्रवीण चित्रावेल, अब्दुल्ला अबूबाकर, तेजिंदरपाल सिंह तूर महिला: ज्योति याराजी, किरण पहल, पारुल चौधरी, अंकिता ध्यानी, ज्योतिका श्री डांडी, शुभा वेंकटेशन, विथ्या रामराज, पोवम्मा राजू एम, प्राची चौधरी, प्रियंका गोस्वामी, अन्नु रानी।

बैठे-बैठे पैर हिलाइए और रहिए बीमारीमुक्त

अक्सर जब आप बैठे-बैठ पैर हिलाने लगते हैं तो आपके बड़े आपको टोक देते हैं। ऐसा हर किसी के साथ होता है। बच्चों के बैठे-बैठे पैर हिलाने से बुजुर्गों का डांटना लाजिमी है। इसके पीछे भारतीय मान्यता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार बैठे-बैठे पैर हिलाने को अशुभ माना जाता है। पैर हिलाने को पिताजी की मृत्यु और कर्ज के संकट के तौर पर देखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि कोई इंसान यदि पूजन कर्म या अन्य किसी तरह के धार्मिक कार्य में बैठने के दौरान पैर हिलाता है तो उसे पूजन कर्म का पूरा पुण्य नहीं मिल पाता। या फिर माना जाता है कि पैर हिलाने से धन की देवी महालक्ष्मी क्रोधित हो जाती है और धन का नाश होता है। इन अशुभ परिणामों को देखते हुए अक्सर परिवार के वृद्धजन पैर हिलाने से बच्चों को मना करते हैं। धार्मिक तौर पर पैर हिलाने के इतनी सारी हानियों को देखते हुए शायद ही कोई पैर हिलाता आपको नजर आए।

लेकिन वैज्ञानिक तौर पर देखा जाए तो पैर हिलाने से कई तरह की बीमारियां हमसे दूर रहती हैं और शरीर बीमारीमुक्त रहता है। हाल ही में हुए एक रिसर्च से पता चला है कि अगर आप बैठे-बैठे पैर हिलाते हैं तो ये आपके दिल की सेहत के लिए बड़ा शुभ होता है।

भले ही पैर हिलाना व्यायाम का विकल्प नहीं है लेकिन समय की कमी के कारण जो व्यायाम नहीं कर पाते उनके लिए बैठे-बैठे पैर हिलाना व्यायाम से कम भी नहीं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए बेहतर होगा कि आप काम करते करते पैरों को हिलाते डुलाते रहें। वैसे भी आपको मालुम ही है कि कुछ नहीं करने से बेहतर है कुछ तो करना।

रक्तचाप की परेशानी होती है ठीक

घंटों तक एक जगह बैठे रहने के दौरान पैर हिलाने से रक्तचाप की परेशानी ठीक होती है। एक जगह में घंटो तक बैठ कर काम करने से शरीर में रक्त प्रवाह धीमा होने लगता है जिससे ब्लड प्रेशर यानि रक्तचाप से जुड़ी बीमारियां शरीर में पनपने लगती हैं। जिससे दिल की

शोध में हुआ साबित

हाल ही में कुछ महिलाओं और पुरुषों में एक शोध किया गया है जिसमें लोगों को तकरीबन कुछ घंटो तक एक ही स्थान पर बैठेकर काम करने को कहा गया। साथ में बीच-बीच में हर चार मिनट के बाद अपने पैरों को एक-एक मिनट के लिए इधर से उधर घुमाने और हिलाने के निर्देश दिए गए। शोधकर्ताओं ने इन लोगों के बैठने से पहले, बाद में तथा बैठे रहने के दौरान रक्त प्रवाह को नोट किया। परिणाम में पाया गया कि ऐसा करने से लोगों का ब्लड सर्कुलेशन धीमा होने के स्थान पर बढ़ गया जो धमनियों के लिए फायदेमंद है।

बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप काम करना और ऑफिस जाना तो नहीं छोड़ सकते हैं। तो बेहतर होगा कि बैठे-बैठे पार हिलाइए और अपनी सेहत को इन खतरों से बचा कर रखिए।

कई बीमारियों से मिलेगी मुक्ति

इस शोध के पूरे होने के बाद ये निष्कर्ष निकाला गया कि बैठ कर काम करने के दौरान पैरों को बीच में हिलाते रहने से आर्टिलरी डिज़ीज से हमारे दिल को सुरक्षित रखता है। साथ ही ब्लड प्रेशर सहित फैट के बढ़ने, डिप्रेशन और आंखों की बीमारियों से भी रक्षा करता है।

अच्छी और बुरी बातें

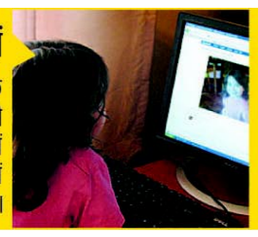

भले ही सोशल नेटवर्किंग का क्रेज आजकल के बच्चों में अधिक दिखता हो और इंटरनेट के मामलों में वे काफी समझदार हो गए हों, लेकिन उनको ये नहीं भूलना चाहिए कि एक छोटी सी भूल उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है। सिर्फ बच्चों ही नहीं मां-बाप को भी इस मामले में ख्याल रखना चाहिए। सोशल नेटवर्किंग में खतरे हैं तो क्या इसका यह मतलब नहीं है कि हमें इन साइट्स को ब्लॉक कर देना चाहिए या हमें इन साइट्स का प्रयोग ही नहीं करना चाहिए।

ब्रेड खाने से अब नहीं बढ़ेगा मोटापा

शोधकर्ताओं ने एक ऐसा ब्रेड बनाया है जिसे खाने के लिए अपने स्वाद से कोई समझौता नहीं करना होगा। इस ब्रेड में आम ब्रेड के मुकाबले सात गुना ज्यादा प्रोटीन है। साथ ही हर टुकड़ें में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा तीन ग्राम कम है जिसे खाने से वजन नहीं बढ़ेगा। प्रोटीन ब्रेड के हर टुकड़े में 15 गाम गेहूं और मटर का प्रोटीन शामिल है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड भी है जो पेट भरा होने का अहसास देता है।

HEALTH | अखरोट में नाड़ी तंत्र की रक्षा करने वाले यौगिक मौजूद

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्रीटिव लाइन की डीजेनेरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

ड्राई सॉकेट के लिए प्रभावी घरेलू नुस्खे

ड्राई सॉकेट एक प्रकार की दांतों की समस्या है जो बहुत ही दर्दनाक होती है, इस समस्या से बचाव के लिए आज आपको कुछ प्रभावी घरेलू नुस्खों के बारे बताते है जो काफी कारगर साबित हुए हैं। दांतों की देखभाल सही तरीके से न की जाए तो इनमें कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। अगर किसी कारणवश आपका कोई दांत निकल गया है और उसकी जगह आपने सॉकेट लगवाया है तो उसमें भी समस्या हो सकती है। सॉकेट में समस्या तब होने लगती है जब सॉकेट के नीचे खून के धब्बे बनने लगते हैं। इसके कारण वाहिकाओं और हड्डी में भी समस्या होने लगती है।

ड्राई सॉकेट को एल्वेलर ऑस्टीटिस नाम से भी जाना जाता है। इसके कारण संक्रमण भी हो सकता है। दांत निकालने के बाद भी अगर 3-4 दिन तक दर्द हो तो यह ड्राई सॉकेट की समस्या हो सकती है। इसके अलावा गर्दन, कान, आंख में दर्द भी इसका लक्षण है। खाने में समस्या भी हो सकती है और मुंह स्वादहीन हो जाएगा यानी किसी खाने में कोई स्वाद नहीं मिलेगा। हल्का बुखार, मुंह में सूजन, सांसों में बदबू, आदि इस समस्या के लक्षण हो सकते हैं।

बर्फ का प्रयोग

अगर ड्राई सॉकेट के कारण मुंह और जबड़ों में अधिक सूजन हो गई हो तो बर्फ से सिंकाई कीजिए। बर्फ का पैक प्रभावित हिस्से पर रखने से सूजन कम होती है और दर्द से आराम भी मिलता है।

लौंग का तेल

दांतों के लिए लौंग को बहुत ही प्रभावी माना जाता है। ड्राई सॉकेट की समस्या होने पर लौंग के तेल को लगाने से फायदा होता है। इसके आप दांतों पर सीधे कॉटन के प्रयोग से लगा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले साफ पानी में रूई को डुबोएं फिर पानी निचोड़कर इसे लौंग के तेल में भिगोकर दांतों में लगाएं। इसे आसपास वाले दांतों पर भी लगाएं। इसे दिन में दो या तीन बार प्रयोग करें।

नमक पानी

किसी भी प्रकार के दर्द या सूजन खासकर मुंह की समस्याओं के लिए नमक पानी को बहुत ही कारगर माना जाता है। ड्राई सॉकेट होने पर भी नमक पानी का प्रयोग करें। पानी को हल्का गरम करके उसमें नमक डाल लीजिए। फिर इस पानी से गरारा कीजिए, जल्द आराम मिलेगा।

योगर्ट: योगर्ट खाने से शरीर को दूसरे पौष्टिक तो मिलते हैं साथ ही यह ड्राई सॉकेट की समस्या का भी अच्छा उपचार है। यह एक प्रकार का नैचुरल एंटीबॉयटिक है, जिससे इस समस्या में आराम मिलता है।

टी बैग: टी बैग का प्रयोग केवल चाय पीने के लिए नहीं होता है, इसे सौंदर्य के साथ-साथ दांतों की समस्याओं को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। ड्राई सॉकेट की समस्या में ठंडे टी बैग को प्रभावित हिस्से पर रखें। थोड़ी देर इसे प्रभावित हिस्से पर रखने से दर्द दूर हो जायेगा। यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपचार है।

हल्दी है फायदेमंद: हल्दी बहुत ही गुणकारी औषधि है। ड्राई सॉकेट होने पर हल्दी का पाउडर प्रयोग करें। अगर अधिक दर्द हो रहा हो तो पानी को हल्का गरम करके उसमें हल्दी पाउडर डालें। फिर इस पानी से कुल्ला करें, दर्द दूर हो जाएगा और संक्रमण भी नहीं होगा।

नींबू और नमक: नींबू और नमक दोनों ड्राई सॉकेट के लिए एंटीसेप्टिक की तरह काम करते हैं। इसके प्रयोग से दर्द और संक्रमण दोनों दूर हो जाता है। नींबू विटामिन सी का अच्छा स्रोत है जिससे बहुत जल्दी आराम मिलता है। नींबू के रस में थोड़ा नमक डालकर इसे सीधे दांतों पर लगाएं। इससे जल्द आराम मिलेगा।

केवल चलने से कम हो सकती हैं दिल की बीमारी

अब हाल ही में हुए अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई है कि शारीरिक क्रियाएं जैसे की चलना और साइक्लिंग से 50% दिल की बीमारियां कम हो जाती हैं। खासकर 65 वर्ष से ऊपर वाले इंसान के लिए चलना वरदान साबित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार 65 वर्ष की उम्र के लोगों के समूह में दिल की बीमारी से होने वाली मौतें केवल चलने से 50त्न तक कम हो सकती हैं। स्टडी के अनुसार 65 वर्ष की उम्र वाले जो लोग फीजिकली एक्टिव रहते हैं।

सप्ताह में चार घंटे चलें

यह अध्ययन में 65 से 74 उम्र की 2,456 पुरुष और महिलाओं में किया गया है। इसमें फीजिकल एक्टिविटी और दिल की बीमारी से जुड़े खतरों के बीच में संबंध देखा गया है। अध्ययनकर्ताओं ने देखा की जो लोग हफ्ते में रोजाना कुछ देर तक शारीरिक काम जैसे चलना या साइक्लिंग करते हैं उनमें दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हुआ है।

भावुकतावश न उठाएं कोई कदम, कॅरियर पर पड़ सकता है असर

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है, लेकिन इसके बाद का असर अनावश्यक परेशानियां ला सकता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। जानकारों का मानना है कि नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं, लेकिन नौकरी बदलते वक्त इन बातों पर ध्यान जरूर दिया जाना चाहिए।

रेसिपी

कश्मीरी रोटी

सामग्री

1 1/2 कप गेहूं का आटा, 1/2 टी-स्पून सौंफ, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून अजवायन, 8 - 10 काली मिर्च, 1/2 कप लो फॅट दूध , 99.7% वसा मुक्त, नमक स्वादअनुसार, गेहूं का आटा , बेलने के लिए, 1 1/2 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

विधि

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, सौंफ, जीरा, अजवायन और कालीमिर्च डालकर, हल्का भून लें। हल्का ठंडा कर, खल-बत्ते में पीसकर दरदरा पाउडर बना लें। गेहूं के आटे, तैयार पाउडर, हींग, दूध और नमक को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूंथ लें। अच्छी तरह गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक भाग को, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

मलेशियन नूडल्स

सामग्री

2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून क्रश किया हुआ लहसुन, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड हरी प्याज़, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, 1/2 कप तिरछे कटे हुए गाजर, 1 कप बीन स्प्राउट्स, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर,1 टी-स्पून सोया सॉस, 2 टेबल-स्पून भूनी और क्रश की हुई मूंगफली, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप पनीर या टोफू के टुकड़े, 2 कप उबाले हुए फ्लॅट नूडल्स, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून भुनी और क्रश की हुई मूंगफली, 1 टेबल-स्पून कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते,

विधि

एक वॉक या गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेज़ आंच पर तेल गरम करें, लहसुन और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भून लें। गाजर डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। बीन स्प्राउट्स डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भूनें। नींबू का रस, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर, सोया सॉस और मूंगफली डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। नमक और पनीर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। नूडल्स् डालकर हल्के हाथों मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। मूंगफली और हरी प्याज़ के पत्तों से सजाकर तुरंत परोसें।

एक बार फिर फैशन में आया पुराना ट्रेंड

महिला हो या पुरुष, बूढ़ा हो या बच्चा आजकल हर कोई फैशन ट्रेंड को फॉलो करता है। आजकल पुराने जमाने का फैशन घूम-फिर कर वापिस आ रहा है। आपको याद होगा कि पुराने जमाने की हीरोइनें लम्बा सा बेल बॉटम पहनकर इतराती थीं। पहले फ्लेयर वाले बेल बॉटम अच्छे लगते थे। उन्हें पहनना और कैरी करना भी काफी आसान हुआ करता था। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा 'गुंडे' मूवी में भी ऐसे ही लुक में नजर आई थीं।

फिल्मों में भी बदला ट्रेंड...

वैसे हॉलीवुड मूवी में भी बेलबॉटम का ट्रेंड देखा जा सकता है, जॉन ट्रावोलेटा ने सैटर-डे नाइट फीवर में बेलबॉटम पहना है। नई लुक लेने के लिए आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं। अगर आप जानना चाहती हैं कि बेलबॉटम आपको क्यों पहनना चाहिए तो ये जान लीजिए कि इस तरह का फैशन आपको काफी कंफर्टेबल फील कराता है। और आप बेलबॉटम पैंट पहनने के बाद काफी रिलैक्स महसूस करती हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इसका फैशन पर क्या प्रभाव है?

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे, लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

कम्फर्टेबल और गुड लुकिंग...

हल्के: जींस का वजन काफी ज्यादा होता है, लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े से बनी होती है। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हैवी नहीं होते हैं।

हाइट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाइट वाले की लम्बाई भी अच्छी लगती है। क्योंकि इसे पहनने से टांगे लम्बी लगती हैं।

सेक्सी लुक : बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर उभर कर सामने आता है और आप काफी सेक्सी लगती हैं।

पतली लगती हैं : बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है, लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**